

1

PPR
(PROGRAMME
PROJECT
REPORT)

APPROVAL OF PPR



पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

कोनी-बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ.ग.)

दूरभाष : (07752) 210312 फ़ैक्स 424329, 213073

www.pssou.ac.in, E-mail – registrar@pssou.ac.in

/ प्रशा. / का.प. / बैठक / 17,

बिलासपुर, दिनांक

/ 10 / 2017

क्रं.

प्रति,

पंजीकृत डाक

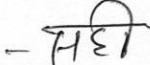
1. प्रो. देबाल कुमार सिंहरोय
आचार्य
समाजशास्त्र अध्ययन विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली
2. डॉ. एस. के. जाधव
आचार्य,
जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला
पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि.
रायपुर
3. डॉ. डी.एन. वर्मा
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, नया रायपुर(छ.ग.)
4. श्री एस. के. चक्रवर्ती
संयुक्त सचिव
छ.ग. शासन, वित्त विभाग
मंत्रालय, नया रायपुर (छ.ग.)
5. श्री डी.के. गुप्ता
संयुक्त सचिव, छ.ग. शासन
खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग
नया रायपुर (छ.ग.)
6. श्री एस. एल. नायक
संयुक्त सचिव, छ.ग.शासन,
पंचायत एवं ग्रामीण विकास
मंत्रालय, नया रायपुर
7. श्री ओ. पी. सिंघानिया
62/6, नेहरू नगर, ईस्ट
अग्रसेन मार्ग, भिलाई
जिला-दुर्ग (छ.ग.)
8. डॉ. एस. आर. पटेल
एस.-16 के सामने, सेक्टर 2
अवंती विहार, तेलीबांधा
रायपुर - 492006
9. डॉ. (श्रीमती) बीना सिंह
सहायक प्राध्यापक
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर
10. श्री भोजराज नाग
उपाध्यक्ष
बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास
प्राधिकरण, द्वारा श्री आशीष
पाठक, म.नं.-157, बोरियाकला
(हाउसिंग बोर्ड कालोनी), रायपुर
11. श्री राजशरण भगत
उपाध्यक्ष
सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण
जी-2 एवं जी-3, विधायक विश्राम गृह,
अयोध्या परिसर, शैलेन्द्र नगर, रायपुर

विषय :- विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की 66 वीं बैठक की कार्यवाही विवरण का प्रेषण।
महोदय / महोदया,

// 02 //

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के कार्य परिषद् की 66 वीं (आपात) बैठक दिनांक 27/10/2017 का कार्यवाही विवरण आपके अवलोकन एवं बहुमूल्य सम्मति हेतु संलग्न प्रेषित है।

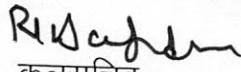
संलग्न :- उपरोक्तानुसार।

- 
कुलसचिव

पृ. क्रं. 443 (5)/प्रशा./का.प./बैठक/17,
प्रतिलिपि

बिलासपुर, दिनांक 28/10/2017

1. निज सचिव, कुलपति को माननीय कुलपति जी के सूचनार्थ।
2. निज सहायक, कुलसचिव को कुलसचिव के सूचनार्थ।
3. क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय सेवा प्रभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वित्त अधिकारी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. संबंधित विभाग प्रमुखों अज्ञात को कार्यवाही विवरण की प्रति संलग्न कर इस निदेश के साथ प्रेषित कि कार्य परिषद् में लिये गये निर्णयों पर विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर पालन-प्रतिवेदन शीघ्र अधोहस्ताक्षरकर्त्ता को अनिवार्यतः प्रस्तुत करें।
6. नस्ती हेतु।


कुलसचिव

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

(छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)



कार्यवाही-विवरण

कार्यपरिषद् की 66 वीं (आपात) बैठक
दिनांक 27/10/2017, दिन शुक्रवार
समय : 3:00 बजे अपरान्ह
स्थान – सिरपुर प्रशासनिक भवन, बिलासपुर

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की 66 वीं बैठक का कार्यवाही-विवरण

पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर के कार्यपरिषद् की 66 वीं (आपात) बैठक माननीय कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 27/10/2017, दिन शुक्रवार, समय 03:00 बजे अपराह्न विश्वविद्यालय मुख्यालय के "सिरपुर प्रशासनिक भवन" में आयोजित हुई। बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति रही -

1. डॉ. बंश गोपाल सिंह
कुलपति
पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
बिलासपुर - अध्यक्ष
2. प्रो. देबाल कुमार सिंहर्षोय
आचार्य
समाजशास्त्र अध्ययन विभाग
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
(कुलपति, इग्नू के द्वारा मनोनीत) - सदस्य
3. डॉ. एस. आर. पटेल
पूर्व अधिष्ठाता
ठाकुर छेदीलाल बेरिस्टर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
बिलासपुर (छ.ग.)
(माननीय कुलाधिपति के द्वारा नामांकित सदस्य) - सदस्य
4. श्री ओ. पी. सिंघानिया
62/6, नेहरू नगर, ईस्ट
अग्रसेन मार्ग, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
(माननीय कुलाधिपति के द्वारा नामांकित सदस्य) - सदस्य
5. डॉ. (श्रीमती) बीना सिंह
सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग)
पंडित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
(कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय शैक्षणिक संकाय से मनोनीत) - सदस्य
6. डॉ. राजकुमार सचदेव
कुलसचिव - सचिव

निम्न सदस्य बैठक में उपस्थित नहीं हो सके -

1. श्री राजशरण भगत
उपाध्यक्ष
सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण, रायपुर - सदस्य

Rubakar

gali

2. श्री भोजराज नाग
उपाध्यक्ष - सदस्य
बस्तर एवं दक्षिण क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण
नया रायपुर (छ.ग.)
3. सचिव
छ.ग. शासन - सदस्य
खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग
नया रायपुर (छ.ग.)
4. श्री एस.के. चक्रवर्ती
संयुक्त सचिव - सदस्य
छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग
रायपुर (छ.ग.)
(सचिव, छ.ग.शासन, वित्त विभाग के द्वारा नामांकित)
5. श्री एस. एल. नायक
संयुक्त सचिव - सदस्य
छ.ग.शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग
नया रायपुर (छ.ग.)
(सचिव, छ.ग.शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा नामांकित)
6. डॉ. एस. के. जाधव
प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला - सदस्य
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)
(माननीय कुलाधिपति के द्वारा नामांकित सदस्य)
7. डॉ. डी. एन. वर्मा
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी - सदस्य
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग
नया रायपुर (छ.ग.)
(सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा नामांकित)

कार्य परिषद् की बैठक के प्रारंभ में माननीय अध्यक्ष जी के द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों स्वागत किया गया। तत्पश्चात् प्रस्तुत प्रस्तावों पर निम्नानुसार निर्णय लिये गये -

प्रस्ताव कं1 विद्या परिषद् की 25 वीं (आपात) बैठक दिनांक 27/10/2017 के कार्यवाही-विवरण के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय - कार्यपरिषद् के द्वारा संशोधन सहित प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। पाठ्यक्रमों के नाम संबंधी क्रम संख्या 35 में 'PGDYC' के स्थान पर 'PGDYS' तथा क्रम संख्या 36 पर 'Early' के स्थान पर 'Elementary' करने का निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव कं2 अकादमिक वर्ष 2018-2019 के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के PPR एवं स्व-अध्ययन-सामग्री (SLM) के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय - कार्यपरिषद् के द्वारा निम्नानुसार 36 Programme Project Report (PPR) एवं उससे संबंधित स्व-अध्ययन-सामग्री (SLM) का निम्नानुसार अनुमोदन किया गया -

Sr. No.	Name of Programme
1	BACHELOR OF ARTS (BA)
2	BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION (BBA)
3	BACHELOR OF COMMERCE (B.COM.)
4	BACHELOR OF EDUCATION (B.ED.)
5	BACHELOR OF LIBRARY SCIENCE AND INFORMATION SCIENCE (B.LIB.)
6	BACHELOR OF SCIENCE (BIOLOGY)
7	BACHELOR OF SCIENCE (MATHEMATICS)
8	DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION (DCA)
9	DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION (D.EL.ED.)
10	MASTER OF ARTS (ECONOMICS)
11	MASTER OF ARTS (HISTORY)
12	MASTER OF ARTS (MATHEMATICS)
13	MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)
14	MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)
15	MASTER OF ARTS (ENGLISH LIT.)
16	MASTER OF ARTS (HINDI LIT.)
17	MASTER OF ARTS (SANSKRIT)
18	MASTER OF COMMERCE (M.COM.)
19	MASTER OF ARTS IN EDUCATION
20	MASTER OF LAW (LLM)
21	MASTER OF ARTS (PSYCHOLOGY)
22	MASTER OF SCIENCE (MATHEMATICS)
23	MASTER OF SOCIAL WORK (MSW)
24	POST GRADUATE DIPLOMA IN ADVERTISING AND PUBLIC RELATIONS (PGDAPR)

25	POST GRADUATE DIPLOMA IN BROADCAST JOURNALISM AND NEW MEDIA (PGDBJNM)
26	POST GRADUATE DIPLOMA IN CHHATTISGARHI BHASHA AVAM SAHITYA
27	POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION (PGDCA)
28	POST GRADUATE DIPLOMA IN HOTEL MANAGEMENT (PGDHM)
29	POST GRADUATE DIPLOMA IN HUMAN RESOURCE MANAGEMENT (PGDHRM)
30	POST GRADUATE DIPLOMA IN JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION (PGDJMC)
31	POST GRADUATE DIPLOMA IN LABOUR LAW AND LABOUR WELFARE
32	POST GRADUATE DIPLOMA IN MARKETING MANAGEMENT (PGDMM)
33	POST GRADUATE DIPLOMA IN PSYCHOLOGICAL GUIDANCE AND COUNCELLING (PGDPGC)
34	POST GRADUATE DIPLOMA IN TOURISM MANAGEMENT (PGDTM)
35	POST GRADUATE DIPLOMA IN YOG SCIENCE (PGDYS)
36	DIPLOMA IN ELEMENTARY LANGUAGE TEACHING (DELT)

प्रस्ताव कं 3 विश्वविद्यालय परिसर में विद्युत आपूर्ति संबंधी कार्य हेतु खुली निविदा में एकल निविदा होने के कारण पुनः खुली निविदा जारी किये जाने पर पर विचार।

निर्णय – कार्यपरिषद् के द्वारा जारी टेंडर को मान्य किया गया।

प्रस्ताव कं 4 अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश संख्या के आधार पर सहायक समन्वयकों/सहायकों को प्रोत्साहन राशि दिये जाने पर विचार।

निर्णय – कार्यपरिषद् के द्वारा पूर्व वर्ष की भांति उसी दर पर प्रोत्साहन राशि दिये जाने का निर्णय लिया गया परन्तु जहां छात्रों की प्रवेश संख्या में गिरावट है वहां 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट पर प्रोत्साहन राशि न दिया जाये।

यह भी कि अगले वर्ष किसी भी प्रकार के हास हो तो प्रोत्साहन राशि अगले वर्ष नहीं दिया जाये।

यह भी कि जिन अध्ययन केन्द्रों में मानक से कम प्रवेश हुआ है वहां के सहायक समन्वयक/समन्वयक को बुलाकर लिखित रूप से चेतावनी दी जाये कि जनवरी/दिसम्बर सत्र में अपेक्षित रूप में प्रवेश नहीं होता है तो अध्ययन केन्द्र बंद किया जायेगा तथा उनसे ली जाने वाली सेवा में वृद्धि नहीं किया जा सकेगा।

यह भी कि तृतीय मोड में संचालित अध्ययन केन्द्रों में मानक से कम वाले अध्ययन केन्द्र को एक अवसर प्रदान किया जाये। नये सत्र में मानक के अनुसार प्रवेश नहीं होने पर भविष्य में निर्णय लिया जायेगा।

प्रस्ताव कं 5 विश्वविद्यालय में प्रस्तावित निर्माण कार्यो की प्रशासनिक स्वीकृति दिये जाने की सूचना ग्रहण करना।

निर्णय - कार्यपरिषद् के द्वारा सूचना ग्रहण किया गया।

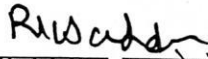
प्रस्ताव कं 6 दीपावली त्यौहार की अग्रिम स्वीकृति राशि रु. 1,24,000/- के कार्योत्तर स्वीकृति पर विचार।


निर्णय - कार्यपरिषद् के द्वारा कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान किया गया तथा निर्णय लिया गया कि बजट में आवश्यक संशोधन प्रस्तावित किया जाये।

प्रस्ताव कं 7 डाक विभाग को पोस्टेज/पार्सल के देयक राशि रु. 16,28,763/- के भुगतान स्वीकृति पर विचार।

निर्णय - कार्यपरिषद् के द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के अंत में अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुये बैठक समाप्त की गई।


(राजकुमार सचदेव)
कुलसचिव/सचिव


(बंश गोपाल सिंह)
कुलपति/अध्यक्ष



पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर
(छ.ग. शासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)
कोनी-बिरकोना मार्ग , बिलासपुर (छ.ग.) 495009
दूरभाष क्रमांक : (07752) 240702, 240712, 240752
www.pssou.ac.in Email – registrar@pssou.ac.in

6.5.1

**PROGRAMME
PROJECT REPORT (PPR)
OF 36
PROGRAMMES**

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Prakriti James
Incharge NAAC Criteria-VI
PSSOU, CG Bilaspur

कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (PROGRAMME PROJECT REPORT-PPR)

कला स्नातक (बी. ए.)

(क) कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्य : स्नातक स्तरीय यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी भाषा-साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबंधन, योग विज्ञान विषयों का स्नातक स्तरीय ज्ञान अर्जित कराने तथा उनमें ज्ञान के गुणात्मक वृद्धि के साथ व्यक्तिगत कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है ताकि विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल से अपने क्षेत्र, प्रदेश, देश सहित विश्व में अपना सामाजिक योगदान दे सकें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च-शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे -

- भाषा-साहित्य का गुणात्मक ज्ञान अर्जित कर सकें,
- नैतिक रूप से जागरूक और व्यक्तिगत सुधार करने में सक्षम हों,
- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक रूप से समाज को अपना प्रभावी योगदान देने में सक्षम हों,
- मौलिक चिंतन के आधार पर ज्ञानार्जन से आत्मविश्वास बढ़ा सकें,
- लोकतांत्रिक, संवैधानिक, कानून व्यवस्था का समान कर सकें,
- व्यावसायिक नैतिकता का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें।

(ख) उच्च-शिक्षा संस्थान में दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से इस लक्षित कार्यक्रम की प्रासंगिकता : यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों जशपुर, बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अध्ययन-केंद्रों के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से गुणवत्ता युक्त उच्च-शिक्षा प्रदान करता है। किसी भी आयु के ऐसे व्यक्ति जो कला, मानविकी एवं समाज विज्ञान में स्नातक होना चाहते हैं उनके लिए यह कार्यक्रम अन्य विश्वविद्यालयों के समतुल्य कार्यक्रम है।

(ग) विद्यार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूप : इस कार्यक्रम में आयु का बंधन नहीं। वे सभी अध्ययन इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से न्यूनतम 10+2 परीक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है

(घ) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति के तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रायोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता : यह कार्यक्रम मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से उच्च-शिक्षा प्रदान करने वाले कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम स्नातक स्तरीय ज्ञान के गुणात्मक वृद्धि के साथ व्यक्तिगत कौशल

बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से संचालित यह कार्यक्रम व्यक्ति और व्यक्ति-समूह में समन्वय, संगठन, संतुलन स्थापित करने के लिए उपयुक्त है।

(ड.) निर्देशात्मक आकार (डिजाइन) :-

1. अवधि और क्रेडिट : इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष की है। यद्यपि विद्यार्थी अधिकतम छह वर्षों में यह कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है। यह कार्यक्रम 96 क्रेडिट का है।
2. माध्यम : यह स्नातक स्तरीय कार्यक्रम हिंदी/अंग्रेजी माध्यम में संचालित होगा।
3. कार्यक्रम संरचना :
इस कार्यक्रम का क्रेडिटवार विभाजन इस प्रकार है-

आधार पाठ्यक्रम				
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	अंतिम वर्ष	कुल क्रेडिट
हिंदी भाषा	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	12 क्रेडिट
अंग्रेजी भाषा	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	12 क्रेडिट
पर्यावरण अध्ययन	कोई क्रेडिट नहीं परंतु उत्तीर्ण होना आवश्यक।			
ऐच्छिक विषय				
ऐच्छिक विषय-1	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	24 क्रेडिट
ऐच्छिक विषय-2	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	24 क्रेडिट
ऐच्छिक विषय-3	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	8 क्रेडिट	24 क्रेडिट
कुल	32 क्रेडिट	32 क्रेडिट	32 क्रेडिट	96 क्रेडिट

4. शिक्षण-पद्धति : विश्वविद्यालय द्वारा विकसित शिक्षण विधि में विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शामिल होंगे जिसके निम्नलिखित घटक हैं-

- (1) आत्म-निर्देशात्मक पाठ्य-पुस्तकें (स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री)
- (2) विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन-केंद्रों पर आयोजित परामर्श और संपर्क कक्षाएँ।
- (3) विषय से संबंधित समूह चर्चा।
- (4) रुचि आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के अनुरूप प्रशिक्षण।

5. स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री (Self learning Material-SLM) का वितरण : कला स्नातक हेतु पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विषय विशेषज्ञों द्वारा स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री तैयार करायी है। विद्यार्थियों को स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान अंकित पते पर डाक द्वारा प्रेषित की जाती है। स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री के अध्ययन में विषय से संबंधित कोई कठिनाई आती है, तो वह अध्ययन-केंद्र पर संचालित संपर्क कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ द्वारा उक्त कठिनाइयों का समाधान प्राप्त कर सकता है।

6. कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ और सहायक कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय में हैं। अध्ययन-केंद्र पर संपर्क कक्षाओं के संचालन के दौरान विषय-विशेषज्ञों तथा सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाती हैं।

(च) प्रवेश, अंक विभाजन, मूल्यांकन-प्रक्रिया व परिणाम :

(1) योग्यता : न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

(2) प्रवेश-प्रक्रिया : इस कार्यक्रम के लिए एक शैक्षणिक सत्र में वार्षिक प्रवेश-प्रक्रिया (सामान्यतः जून-सितंबर के बीच) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में संपन्न होती है। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है।

(3) सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा एवं अंक विभाजन : इस कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी के लिए प्रथम, द्वितीय और अंतिम वर्ष हेतु निर्धारित परीक्षाएँ -

(क) सत्रीय कार्य (Tutor Mark Assignment-TMA) : विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 30 अंक निर्धारित हैं।

(ख) सत्रांत परीक्षा (Term End Examination-TEE) आधार पाठ्यक्रम (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा) व पर्यावरण अध्ययन में सत्रीय कार्य नहीं होगा, केवल सत्रांत परीक्षा होगी। प्रत्येक प्रश्न-पत्र (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन) के लिए 50 अंक तथा ऐच्छिक के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र 70 अंक निर्धारित हैं।

(ग) प्रायोगिक परीक्षा (Practical examination)

सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा प्रश्नों के प्रकार व संख्या

खंड	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का प्रकार
वर्ग-अ	कुल 8 प्रश्न (सभी प्रश्न अनिवार्य)	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा एक वाक्य
वर्ग-ब	कुल 6 प्रश्न परीक्षार्थी को कोई 4 प्रश्न हल करने होंगे।	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 75 (आधा पृष्ठ)
वर्ग-स	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	लघु उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 150 (एक पृष्ठ)
वर्ग-द	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे।	अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 300 (दो पृष्ठ)
वर्ग-ई	कुल 2 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 1 प्रश्न हल करना होगा।	दीर्घ उत्तरीय शब्द सीमा 600-750 (4-5 पृष्ठ)
योग	कुल 24 प्रश्न, परीक्षार्थी 18 प्रश्न हल करेगा।	

- (4) मूल्यांकन-प्रक्रिया : योग्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।
- (5) परिणाम : विश्वविद्यालय 10 बिन्दु ग्रेड पद्धति (10 Point grading system) के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

(घ) प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम में प्रवेशित छात्रों को प्रवेश लेने पर स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री उनके द्वारा अंकित पते पर प्रेषित कर दी जाती है। यदि विद्यार्थी पुस्तकालय का लाभ लेना चाहता है तो विषय से संबंधित संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएँ विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित पुस्तकालय (स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय) पर विश्वविद्यालय कार्य दिवसों में अध्ययन सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा अध्ययन-केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगी। प्रायोगिक कार्य के लिए मुख्यालय एवं अध्ययन-केंद्रों पर प्रयोगशाला उपलब्ध है।

(ज) कार्यक्रम हेतु शुल्क प्रावधान : इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और उसके विकास का दायित्व निर्वहन विश्वविद्यालय करेगा। इसके लिए निधि विश्वविद्यालय अपने वार्षिक बजट में से आवंटित बजट के अनुसार करेगा।

छात्र द्वारा निम्नलिखित शुल्क देय होगा-

शुल्क (रु. में)				
शुल्क विवरण	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	अंतिम वर्ष	कुल
कुल शुल्क	3700	3700	3700	11,100

(झ) कार्यक्रम की गुणवत्ता का आँकलन और अपेक्षित परिणाम : विश्वविद्यालय द्वारा इसके लिए एक समीक्षा-तंत्र विकसित किया जाएगा जो अध्ययन की तात्कालीन आवश्यकताओं, मानकों, और कार्यक्रम की आवश्यक रूपरेखा तय करेगा। कार्यक्रम संचालन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम को आद्यतन, अध्ययन, शिक्षण मानकों के अनुरूप बनाने हेतु विभागीय समिति (Bord of Study) कार्यक्रम पर निगरानी रखेगी और आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन-केंद्र (Center for Internal Quality Assurance-CIQA) नियमित रूप से कार्य करेगी। यह समिति छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाएँ शामिल कर कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाएगी और गुणवत्तायुक्त शिक्षण-प्रणाली विकसित करने का दायित्व निर्वाह करेगी।

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

BACHELOR OF BUSINESS ADMINISTRATION (BBA)

- a) **Programme Mission and Objective:** Bachelor of Business Administration is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Management. The education in management will combine theory and practices so that students will be prepared for a business career both for entrepreneurial and service market. Following are the broader objectives of the programme:
- i. To educate and prepare the prospective and diverse group of students with knowledge, analytical ability and management perspectives and skills needed to provide leadership to organisations.
 - ii. To make the students aware of changing scope and strategies of business needful to operate in a competitive business environment.
 - iii. To groom entrepreneurial culture among the learners, so as to work in the line of generating self employment.
 - iv. To develop self-confidence and the ability to deal with complex business issues in a systematic yet creative manner.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age. The programme aims to provide quality business education to the students at their doorstep.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the requirements, both at Individual and Industrial level. Firstly, at Individual level the prospective learners can be 10+2 (Higher Secondary) pass students. Secondly, the target group can also be an Industrial/Organisational personnel seeking to get maximum benefit of the current position held at Organisation.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** Business Administration is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of three years although student may complete the programme gradually within a maximum period of six years. The programme has weightage of 96 credits. During all three years students have to study 8 papers (including theory and project) of 4 credits each. During first year students have to appear for compulsory subject on Environmental education (without credit score) and will have to submit a project report of 4 credits in third year of the programme. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for BBA programme will be in English language. However students can opt for English or Hindi language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

**COURSE SYLLABUS
PART-1/YEAR 1**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
FC-01	Hindi Language (Foundation Course)	4
FC-02	English Language (Foundation Course)	4
FC-03	Environmental Education (Foundation Course)	4
BBA-01	Principles of Management	NA
BBA-02	Introduction to Accountancy	4
BBA-03	Managerial Economics	4
BBA-04	Business Environment	4
BBA-05	Business Statistics	4
BBA-06	Business Communication	4

PART-2/YEAR 2

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
FC-04	Hindi Language (Foundation Course)	4
FC-05	English Language (Foundation Course)	4
BBA-07	Marketing Management	4
BBA-08	Human Resource Management	4
BBA-09	Production and Operations Management	4
BBA-10	Banking and Insurance Practices	4
BBA-11	Business Oriented Computer Applications	4
BBA-12	Entrepreneurship Development	4

PART-3/YEAR 3

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
FC-06	Hindi Language (Foundation Course)	4
FC-07	English Language (Foundation Course)	4
BBA-13	Financial Management	4
BBA-14	Organizational Behaviour	4
BBA-15	Business Law	4
BBA-16	Management Information System	4
BBA-17	International Business	4
BBA-18	Project Report	4
Total Credits		96

Note: A Student has to pass FC-03 Environmental Education (As compulsory subject) without credit points.

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing project report.
 - Group discussion and Case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students will be given with syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed for smooth execution of programme.

f) Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :

- i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed 10+2 examination from any recognised board.
- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 33% in each paper).
- iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of B.B.A programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Project Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE)
- > **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - > **Project Work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based on project work submitted by the students with viva-voce.
 - > **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- > **University Fee Structure:** The fee structure of the BBA programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Year III	Total
Yearly Fees	6000	6000	6000	18000

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

BBA graduates are expected to demonstrate effectively practicing of overall business functions, knowledge and ability to identify and interpret essential business concepts, principles and skills.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)**BACHELOR OF COMMERCE (B.COM.)****a) Programme Mission and Objective:**

- To understand different legal and accounting aspects of business entities.
- To learn / gather enough knowledge to manage a business either own their own or for someone else.
- To mold and prepare the learners for positions of leadership in business organizations at various levels.
- To produce commerce graduates who possess the skills, problem solving tools and professionalism essential for being successful.

b) Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals: The programme is relevant with Mission and Goals of Open and Distance Learning institution of providing education to the deprived irrespective of age, place and time with total commitment to quality education in commerce with a holistic concern for better life, environment and society.

c) Nature of Prospective Target Group of Learners: The target learner can be every 12th pass student of the society because Commerce education is helpful in one's life as well as vocation. Commerce education is useful for all professionals to render more efficient service there in and to advance from their present levels of employment to higher levels.

d) Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence: The purpose of the correspondence B.Com. degree, offered by PSSOU, is to render student with outspread array of operational skills, to specialize the student in a specific area of business and to expose the student to basic business principles. One remarkable feature of our distance learning programs is that students can find employment and self employment opportunities while pursuing the course.

e) Instructional Design:

I. **Duration and Credit:** This programme has a minimum duration of three years, although learners may complete the programme gradually within the maximum period of six years. The programme has a weightage of 96 credits. The learner has to study 6 papers of 32 credits in each year.

II. **Medium:** The course material for the programme is in Hindi language. However, students can opt for either Hindi or English language for answering the questions in examinations.

III. Course Structure:

	विषय शीर्षक	प्रश्न-पत्र	क्रेडिट
बी.कॉम. प्रथम वर्ष			
आधार पाठ्यक्रम	हिन्दी भाषा भाग - एक	प्रथम	4
	अंग्रेजी भाषा - English Language and Indian Culture	द्वितीय	4
	वित्तीय लेखांकन	समूह एक - प्रथम	4
	व्यवसायिक गणित	समूह एक - द्वितीय	4

अनिवार्य पाठ्यक्रम	व्यवसायिक संचार	समूह दो – प्रथम	4
	व्यवसायिक नियमन एवं रूपरेखा	समूह दो – द्वितीय	4
	व्यवसायिक अर्थशास्त्र	समूह तीन – प्रथम	4
	व्यवसायिक पर्यावरण	समूह तीन – द्वितीय	4
कुल			32
बी.कॉम. द्वितीय वर्ष			
आधार पाठ्यक्रम	हिन्दी भाषा भाग – दो	प्रथम	4
	अंग्रेजी भाषा – English Language and Scientific Temper	द्वितीय	4
अनिवार्य पाठ्यक्रम	निगमनीय लेखांकन	समूह एक – प्रथम	4
	लागत लेखांकन	समूह एक – द्वितीय	4
	व्यवसायिक प्रबंध के सिद्धांत एवं उद्यमिता	समूह दो – प्रथम	4
	व्यवसायिक सांख्यिकी	समूह दो – द्वितीय	4
	मुद्रा एवं वित्तीय प्रणालियां	समूह तीन – प्रथम	4
	प्रमंडल (कम्पनी) विधि	समूह तीन – द्वितीय	4
कुल			32
बी.कॉम. तृतीय वर्ष			
आधार पाठ्यक्रम	हिन्दी भाषा भाग – तीन	प्रथम	4
	अंग्रेजी भाषा – English Language and Aspects of Development	द्वितीय	4
अनिवार्य पाठ्यक्रम	आयकर	समूह एक – प्रथम	4
	प्रबंधकीय लेखांकन	समूह एक – द्वितीय	4
	वित्तीय प्रबंध	समूह दो – प्रथम	4
	लेखा परीक्षण	समूह दो – द्वितीय	4
	विपणन के सिद्धांत	समूह तीन – प्रथम	4
	वित्तीय विपणन परिचालन	समूह तीन – द्वितीय	4
कुल			32

Note -1. Environmental Studies is a non – credit subject which is to be appeared in first year.

- IV. **Learning Method :** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
1. Self Learning Material
 2. Counseling and contact sessions at the study centre by the subject experts
- V. **Means of Delivery:** Learners are given the syllabus of the courses and also the Self Learning Material. It helps the learners to study a specific topic. If the learner has any difficulty, he/she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counselor during the contact session at the study centre.
- VI. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department is headed by One Regional Director and One Programme Coordinator (at honorary basis) at the headquarters. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.

f) Procedure for Admissions, Curriculum, Transaction and Evaluation :

- I. **Procedure of Admission:** The admission for this programme is done on yearly basis. All the admissions for the course are done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme is having passed 10+2 examination of Chhattisgarh Board of Secondary Education, or from any recognized Board.
- II. **Curriculum Transaction:** For successful completion of this programme, a candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e.33%). The levels of student performance is indicated in Letter grades and corresponding Grade point.
- III. **Evaluation Pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper in both the year has following two components:
 1. **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each subject the learner's performance is continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation is done by the Study Centre which is monitored by the department concern. The students have to compulsorily submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.
 2. **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

3. Fee Structure :

Particulars	Year I	Year II	Year III	Total
Yearly Fees	4850	4850	4850	14550

- g) **Requirement of the Laboratory support and Library Resources:** Laboratory facility is not required for this programme however desired facilities are made available at the study centers. Resources in the form of reference books and Journals are made available to the learners in the University Central library, which they access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development, delivery and maintenance of the programme the fund is provided as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

BACHELOR OF EDUCATION (B.ED.)

- (a) **Programme's mission and objectives:**
- (i) To help teachers appreciate the potential of hands-on experience as a pedagogic medium both inside and outside the classroom; and work as integral to the process of education.
 - (ii) To engage teachers with children in real contexts rather than teach them about children through theories alone. It helps them understand the psycho-social attributes and needs of learners, their special abilities and characteristics, their preferred mode of cognition, motivation and learning resulting from home and community socialization.
 - (iii) To engage teachers with the curriculum, syllabi and textbooks to critically examine them rather than taking them as 'given' and accepted without question.
- (b) **Relevance of the Program with HEP's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed in the act of envisioning the role of the teacher and the shape of teacher education unfolding in the coming years, it would do us well to take note of the movement of ideas, globally, that have led to current thinking on teacher education.
- (c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfill the requirements a teacher needs to be prepared in relation to the needs and demands arising in the school context, to engage with questions of school knowledge, the learner and the learning process. Firstly, at individual level the prospective learners can be graduates belonging to both rural and urban areas who seek to find a place in the school. This course will enable them to learn and acquire the basic knowledge and skills required at the teaching level. Secondly, these areas are particularly significant to the professional development of teachers at all stages, both in their initial and in-service training.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Bachelor of Education is one of the suitable course/programme to be offered through open and distance learning mode. It is assumed that links between learning theories and models and teaching methods are automatically formed in the understanding developed by student teachers.
- (e) **Instructional Design :**
- (i) **Duration and Credit:** This programme has minimum duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of five years. The programme has total weightage of 80 credits which is equally divided into both the years.
 - (ii) **Medium:** The course material for B.Ed. programme is in Hindi language. However, students can opt for either English or Hindi language for answering the questions in examinations.
 - (iii) **Course Structure:**

FIRST YEAR	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
	B.Ed.-001	Education & Its Purposes	4
	B.Ed.-002	Learner and the Context	4

Theory Papers	B.Ed.-003	Contemporary India & Education	4
	B.Ed.-004	ICT in Education	4
	B.Ed.-005	School Organization & Administration	4
	B.Ed.-006	Cognition, Learning & Teaching	4
	B.Ed.-007	School Subject Teaching (Any One)	4
		Teaching of Hindi	
		Teaching of English	
	B.Ed.-008	Mathematical Teaching	
School Subject Teaching (Any One)		4	
Bio Science Teaching			
Physical Science Teaching			
Practical Papers	B.Ed.-09	Social Science Teaching	
	B.Ed.-10	Exhibiting Art & Teaching	4
		Personal Contact Programme	4
TOTAL			40
SECOND YEAR			
Theory Papers	B.Ed.-011	School Management & Leadership	4
	B.Ed.-012	Education Technology	4
	B.Ed.-013	Educational Guidance & Counselling	4
	B.Ed.-014	Knowledge and Curriculum	4
	B.Ed.-015	Human Rights and Peace Education	4
	B.Ed.-016	Gender, School & Society	4
	Practical Papers	B.Ed.-17	School Subject Teaching (Preparation, Evaluation of Lesson plan & Final Teaching)
B.Ed.-018		School Internship programme	4
B.Ed.-019		Personal Contact Programme	4
TOTAL			40

Course structure/content is subject to change as per BOS recommendations from time to time.

- (iv) **Learning Method:** The learning method developed by University comprise of independent form of delivery and constitute the following components:
- Self Learning Material
 - Counselling, tutorials, face-to-face contact sessions at the headquarters and study centre by the subject experts.
 - Group discussion and case studies.
 - Workshops, Seminars, Practical & Theoretical Assignments, Cultural Activities, School Based Activities, Community Based Activities, Work-Experiences Activities.
- (v) **Means of Delivery:** The students are given syllabus and also the self learning material. It is advised to them to make a self study of the material and if they find any difficulty they can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counselor through mails, phone calls or personally at the headquarters or study centre.
- (vi) **Requirement of Faculty and Support Staff:** Requirement of Faculty and Support Staff: There are four faculties at the headquarters. At the study centres qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counseling sessions.

(f) Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :

- (i) **Procedure for admission:** The admission for this programme is done on yearly basis. All the admissions for the course are done through pre-entrance exam and online mode. Minimum eligibility for applying for this course is as per NCH norms.
- (ii) **Curriculum Transaction:** For successful completion of the B.Ed. Programme 80% attendance is compulsory in contact classes. Candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 33%).
- (iii) **Evaluation pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper in both the year has following three components:
- a). **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each paper in every year the student performance is continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation is done at headquarters and study Centre which is monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.
- b). **Practical Work :** Evaluation of this component is based on teaching practices, work-experience activities, supervision by mentor, lesson plan administered and submitted by students, school based activities, final teaching exam etc.
- c). **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

(d) University Fee Structure: Details of Fee (in Rs.) are as under:

Particulars	First Year	Second Year	Total
Course Fees	27,500	27,500	55,000

* Fee is subject to change as per University notification from time to time

- (g) **Requirement of the laboratory support and library Resources:** Complete lab setup and facilities are available at the study centers. Resources in the form of reference books and journals are made available to the student in the University Central library and libraries of every study centres.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development, delivery and maintenance of the programme the fund is received as per the budget allocated by the University in the annual budget session.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PANDIT SUNDARLA SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)


BACHELOR OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE (B.Lib & ISc.)

Programme Mission and Objective: B.Lib & ISc. provides students exposure to organize collection and manage libraries. It supports the goals of the institution through a program designed for the total development of information providers imbued with the Christian spirit of service, highest ethical standards and sense of responsibility. It aims to accomplish the following objectives:

1. To provide training for a professional career in library and information science through a well-rounded liberal arts education, course specialization, and actual application of theories,
2. To produce competent, value-oriented, dedicated professionals to serve as catalysts for development and societal change,
3. To answer the demands of institutions throughout the country's regions for qualified librarians and information specialists to provide leadership and dedicated services in their own libraries,
4. To sustain the personal and professional growth of librarians by continually upgrading and adapting in the curriculum new trends and changes in the field of library and information science as well as conducting reviews for the licensure examinations, and

a) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.

Nature of Prospective Target Group of Learners: The Programme is to provide a meaningful educational experience that meets current and emerging library, information and


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

technology needs, and prepares students for productive roles in a variety of continually evolving information environments.

b) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** B.Lib & ISc. is one of the suitable course /programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment.

c) **Instructional Design :**

i. **Duration and Credit:** The duration of the course shall be of 12 months' However a student registered once can complete the programme within a maximum period of three Years. The programme has 48 credits. In this programme the student has to study 8 papers of 48 credit points. Contact sessions for course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.

ii. **Medium:** The course material for programme will be in Hindi language. However students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.

iii. **Course Structure:**

BACHELOR OF LIBRARY & INFORMATION (B.Lib & ISc.)


DURATION OF THE COURSE: 12 Months

ELIGIBILITY: GRADUATION FROM RECOGNISED UNIVERSITY

COURSE SYLLABUS

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
BLIS-01	Library & Society	6
BLIS -02	Library Classification	6
BLIS -03	Library Cataloguing	6
BLIS -04	Library management	6
BLIS -05	Information Sources	6
BLIS -06	Reference & Information Services	6
BLIS-07	Computer fundamentals & Application	6
BLIS-08	Library Classification & Cataloguing Practice	6

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:


REGISTRAR
 Pt. Durgam Chaudhary (Open)
 University of Jammu
 Bhatnagar (C.G.)

- a) Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- b) Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- c) Group discussion and case studies.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of library & Information Science is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs will be deputed at the study centre as per need of the course curriculum.

d) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

Procedure of Admission: The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed a Bachelor's Degree from any recognized University.

Curriculum Transaction: For successful completion of the proposed programme, a candidate has to obtain minimum pass each paper with passing grade 'p' (i.e. 33% in each paper).

Evaluation Pattern: The pattern of evaluation for the B. Lib & ISc. course will have following three components : (a) Assessment through TMA (b) Practical Exam (c) Term End Examination (TEE)

- a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Practical / Viva Voce:** Evaluation of this component will be based on practical examination with viva-voce.
- c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term


 REGISTRAR
 Pt. Chandra Lal Sharma (Open)
 University of Allahabad
 M.L.A.S.P.U.R. (O.G.)


End examination (TEE) of each course will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the BLib. & ISc. programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)	
Particulars	Fee
Yearly Fees	11,600

- e) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of DDC, CC, reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, which they can access for gaining knowledge.
- f) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- g) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.


 REGISTRAR
 PL. Srinivas Sarma (Open)
 University of Jammu
 BILASPUR (O.G.)

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

B. Sc. (Bio.) [BOTANY, ZOOLOGY, CHEMISTRY]

- a) **Programme's mission and objectives:**
- The learner will be taught about anatomy of and bio-diversity among Plant and Animal Kingdom.
 - To enhance the traditional knowledge related to useful properties of the medicinal plants found in forests making capability of the learners in relation to harvest of these plants for further research and development in health sector and Nutraceutical industry
 - To conserve and protect the medicinal plant and animal species biodiversity in individual learning skills and personal development and to work with confident, so as to make a helpful contribution to their community.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** The University is committed to endow with assure quality of scientific education to learner of remote area where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme provides ample of opportunities to those rural and backward learners who are deprived of Bioscience education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be 10+2 students of Science background.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Bachelor of Science [Botany, Zoology, Chemistry] is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The theory and practical knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them trained for self employment as per the market demand.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has duration of three years although student may complete the programme gradually within a maximum period of six years. The programme has weightage of 96 credits. In this programme the student has to study 6 Courses of 32 credits in each year. Contact sessions for every course are arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - Medium:** The course material for B.Sc. programme is in Hindi language. However, students can opt either English or Hindi language in the questions.

CURRICULUM TITLE	I Year	II Year	III Year	TOTAL
(A). Foundation Course				
Hindi Language	04	04	04	12
English Language	04	04	04	12
Environment Education (No credit but compulsory to pass in First Year)	-	-	-	-
(B). Elective Course				
Chemistry (Paper1-Physical Paper2-Organic. Paper3-Inorganic Paper4- Practical)	08	08	08	24
Botany (Paper 1 Paper 2 Paper 3 Practical)	08	08	08	24
Zoology (Paper 1 Paper 2 Paper 3 Practical)	08	08	08	24
TOTAL				96

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University comprise of independent form of delivery and constitutes the following components:

- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- Preparing the students Assignment.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Science is headed by a permanent faculty member. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

- i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course is done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme for the candidates is having passed 10+2 examination from any recognized Board.
- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e.33%).
- iii. **Evaluation Pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper has following three components:
 - a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each paper in every year the students performance is continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation is done by the Study Centre which is monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.
 - b) **Practical/Viva Voce:** Evaluation of this component is based in practical work submitted by the students with viva-voce. Viva-voce is conducted in the presence of an external examiner.
 - c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

d) **University Fee Structure:**

Particulars	Year I	Year II	Year III	Total
Yearly Fees	5600	5600	5600	16800

- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Complete lab setup and facilities are available at the study centers. Resources in the form of reference books and journals are made available to the student in the University Central library and libraries of every study centres which they can access for gaining knowledge.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

B. Sc. [MATHEMATICS, PHYSICS, CHEMISTRY]

- a) **Programme Mission and Objective:** Bachelor of Science [Physics, Chemistry, and Mathematics] is designed through distance mode to promote the scientific temperament of the learners in higher education by providing easy access to all those students to improve their qualification, skills and competence. The education in B.Sc. [PCM] will combine theory and practical so that students will be prepared for a Chemist, Mathematician, Physicist as a career for industry and entrepreneurship. Following are the broader objectives of the programme:
- i. To educate and create the prospective and diverse group of students with knowledge, analytical ability and importance of Physics, Chemistry and Mathematics and skills needed to provide leadership to society.
 - ii. To make the students aware of changing environment and scope, in the field of Physics, Chemistry and Mathematics to operate in a competitive environment.
 - iii. To seek continuous improvement in individual learning skills and personal development and to work with confident self-direction and originality so as to make a meaningful contribution to society in the field of science.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with assure quality of scientific education to learner of remote area where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward learners who cannot find a place in regular education system and are deprived of science education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be 10+2 students of science background.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** Bachelor of Science [Physics, Chemistry , Mathematics] is one of the suitable courses/programmes to be offered through Open and Distance Learning mode. The theory and practical knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them trained for self employment as per the market demands.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of three years although student may complete the programme gradually within a maximum period of six years. The

programme has weightage of 96 credits. In this programme the student has to study 6 Courses of 32 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centres where the students can solve their difficulties.

- ii. Medium: The course material for B.Sc. programme will be in Hindi language, however students can opt English or Hindi language in the examination.
- iii. Course Structure:

CURRICULUM TITLE	1 st Year	2 nd Year	3 rd Year	Total Credits
A. Foundation course				
Hindi language	04	04	04	12
English language	04	04	04	12
Environment Education (No credit but compulsory passed in first year)	-	-	-	-
B. Elective Subject				
Chemistry (Paper1-Physical Paper2-Organic, Paper3-Inorganic Paper4- Practical)	08	08	08	24
Physics (Paper1, Paper2, Paper3- Practical)	08	08	08	24
Mathematics (Paper1, Paper2, Paper3)	08	08	08	24
Total Credits	32	32	32	96

Learning Method: The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centres by the subject experts.
- Preparing the students Assignment.

- iv. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

- v. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Faculty of science is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

- i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed 10+2 examination from any recognised board.
- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to obtain minimum pass marks of 33%. Degree will be awarded on the basis of aggregate marks obtained in each year. Passing in all the years will be an essential criteria for the award of degree.
- iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from year I to year III of B.Sc.[PCM] programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE) (c) Practical.
- a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Practical:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students.
- c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

d) **University Fee Structure:** The fee structure of the B.Sc. programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Year III	Total
Yearly Fees	5100	5100	5100	15300

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Complete lab setup and facilities are available at the study centers. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library and library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION (DCA)

- a) **Programme Mission and Objective:** DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Computer Application. The education in Computer Application will combine theory and practices so that students will be prepared for a Computer oriented career. Following are the broader objectives of the programme:
- To educate and prepare the prospective and diverse group of students of Chhattisgarh with Computer knowledge, networking and technical skills needed to serve organisations.
 - Practice computer science, understand the fundamental principles of computer science, and continue to develop their technical competencies.
 - To make the students aware of changing environment and scope, in the field of computer application to operate in a competitive environment.
 - To seek continuous improvement in individual learning skills and personal development and to work with confident self-direction and originality so as to make a meaningful contribution to society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward masses who are deprived of computer education education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be 10+2 (Higher Secondary) pass students. This course will enable them to learn and acquire the basic knowledge and skills of Computer Application.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Diploma in Computer Application is one of the suitable courses/programmes to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 24 credits. In this programme the student has to study 5 theory papers of 20 credit points. In the academic session students will have to appear in two practical of 02 credit each. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - Medium:** The course material for DCA programme will be in Hindi language. However students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.
 - Course Structure:**

**COURSE SYLLABUS
YEAR 1**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
DCA 01	PC Packages	
DCA 02	Fundamentals of Computer and Information Technology.	4
DCA 03	Object oriented programming in C++	4
DCA 04	Desk Top Publishing	4
DCA 05	Internet and Web Development	4
DCA 06	Computer Lab-I (Based on DCA01 & DCA04)	2
DCA 07	Computer Lab-II (Based on DCA 03)	2

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing practical reports.
 - Group discussion and case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Computer Science is presently headed by one permanent faculty who act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme for the candidates is having passed 10+2 examination of any recognised board.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 33% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each paper of DCA programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Practical work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE)
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the student's performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Practical work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students with viva-voce.

- c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the DCA programme is as under:

Particulars	Total
Yearly Fees	8100

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Computer Laboratory is required as a part of this Curriculum which is available in University campus as well as in selected study centres. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centres, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)**DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION (D.E.L.E.D.)**

- (a) **Programmes mission and objectives:**
- To provide opportunity to student-teachers for reflection and independent study without packing the training schedule with teacher-directed activities alone.
 - To engage teachers with children in real contexts rather than teach them about children through theories alone. It helps them understand the psycho-social attributes and needs of learners, their special abilities and characteristics, their preferred mode of cognition, motivation and learning resulting from home and community socialization.
 - To engage teachers with the curriculum, syllabi and textbooks to critically examine them rather than taking them as 'given' and accepted without question.
- (b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed in the act of envisioning the role of the teacher and the shape of teacher education unfolding in the coming years, it would do us well to take note of the movement of ideas, globally, that have led to current thinking on teacher education.
- (c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfill the requirements a teacher needs to be prepared in relation to the needs and demands arising in the school context, to engage with questions of school knowledge, the learner and the learning process. Firstly, at individual level the prospective learners can be graduates belonging to both rural and urban areas who seek to find a place in the school. This course will enable them to learn and acquire the basic knowledge and skills required at the teaching level. Secondly, these areas are particularly significant to the professional development of teachers at all stages, both in their initial and in-service training.
- (d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Diploma in Elementary Education programme is one of the suitable course/programme to be offered through open and distance learning mode. It is assumed that links between learning theories and models and teaching methods are automatically formed in the understanding developed by student teachers.
- (e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has minimum duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of five years. The programme has total weightage of 64 credits which is equally divided into both the years.
 - Medium:** The course material for D.El.Ed. programme is in Hindi language. However, students can opt for either English or Hindi language for answering the questions in examinations.
 - Course Structure:**

FIRST YEAR	PAPER	COURSE TITLE	CREDIT
	FIRST	KNOWLEDGE CURRICULUM PEDAGOGY	4
	SECOND	CHILD DEVELOPMENT & LEARNING	4

Theory Papers	THIRD	SCHOOL. & COMMUNITY	4
	FOURTH	ART EDUCATION	4
	FIFTH	MATHEMATICS & ITS TEACHING	4
	SIXTH	LANGUAGE & LANGUAGE TEACHING	4
Practical Papers	-	SCHOOL EXPERIENCE PROGRAMME	4
	-	COMPUTER KNOWLEDGE	4
TOTAL			32
SECOND YEAR			
Theory Papers	SEVENTH	MATHEMATICS & ITS TEACHING	4
	EIGHTH	EDUCATIONAL PHILOSOPHY INDIVIDUAL LEARNING AND TEACHING	4
	NINTH	LANGUAGE (FIRST LANGUAGE-HINDI) AND LANGUAGE TEACHING	4
	TENTH	PART-1 SECOND LANGUAGE-ENGLISH PART-2 THIRD LANGUAGE-SANSKRIT	4
	ELEVENTH	ENVIRONMENTAL STUDIES AND SCIENCE TEACHING	4
	TWELFTHS	INDIAN EDUCATION IN THE CONTEXT OF MODERN WORLD	4
Practical Papers	-	SCHOOL EXPERIENCE PROGRAMME	4
	-	COMPUTER KNOWLEDGE	4
TOTAL			32

Course structure/content is subject to change as per BOS recommendations from time to time.

- (i) **Learning Method:** The learning method developed by University comprise of independent form of delivery and constitute the following components:
- Self Learning Material
 - Counselling, tutorials, face-to-face contact sessions at the headquarters and study centre by the subject experts.
 - Group discussion and case studies.
 - Workshops, Seminars, Practical & Theoretical Assignments, Cultural Activities, School Based Activities, Community Based Activities, Work-Experiences Activities.
- (ii) **Means of Delivery:** The students are given syllabus and also the self learning material . It is advised to them to make a self study of the material and if they find any difficulty they can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counselor through mails, phone calls or personally at the headquarters or study centre.
- (iii) **Requirement of Faculty and Support Staff:** Requirement of Faculty and Support Staff: There are three Permanent and one temporary Assistant Professor at the headquarters. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.

(f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

- (i) **Procedure for admission:** The admission for this programme is done on yearly basis. All the admissions for the course are done through online mode. Minimum eligibility for applying for this course is as per NCTE norms.
- (ii) **Curriculum Transaction:** For successful completion of the Programme 80% attendance is compulsory in contact classes. Candidate has to obtain minimum pass grade of 33% in both theoretical and practical paper each.
- (iii) **Evaluation pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper in both the year has following three components:
- a). **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each paper in every year the student performance is continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation is done at headquarters and study Centre which is monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.
- b). **Practical Work / Viva-Voce:** Evaluation of this component is based on teaching practices, work –experience activities, supervision by mentor, lesson plan administered and submitted by students, school based activities, final teaching exam etc. Viva-Voce is conducted in the presence of External Examiners.
- c). **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

(d) **University Fee Structure: Details of Fee (in Rs.) are as under:**

Particulars	First Year	Second Year	Total
Course Fees	10,000	10,000	20,000

☞ Fee is subject to change as per University notification from time to time

- (g) **Requirement of the laboratory support and library Resources:** Complete lab setup and facilities are available at the study centers. Resources in the form of reference books and journals are made available to the student in the University Central library and libraries of every study centres.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development, delivery and maintenance of the programme the fund is received as per the budget allocated by the University in the annual budget session.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

- a) **Programme Mission and Objective:** Master of Arts in Economics is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Economic Theory and Developmental Practices. The course would provide a learning platform for students who wish to pursue a career in national and international organizations, industry, education, public administration and NGO's. Following are the broader objectives of the programme:
- i. Identify the role of supply and demand in a market economy.
 - ii. Identify the necessary conditions for market economies to function well.
 - iii. Discuss market system advantages and pricing.
 - iv. Define and analyze economic problems using statistical methods.
 - v. Identify the benefits and costs of a global economy.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education. This programme with its high bound utility will serve the purpose of knowledge and utility in society and Industries.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The learners of this programme will be the graduates who aim to get higher education in the field of economics. Personnel's working in Industry can also take the advantage of this programme.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** Post Graduate degree in Economics is one of the most prevalent and suitable programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The course curriculum is designed so as to facilitate learners to acquire appropriate skills needful in the present market scenario.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weightage of 64 credits. In this programme the students have to study 4 papers of 32 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for Master of Economics programme will be in Hindi language. However, students can opt Hindi or English and language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

**COURSE SYLLABUS
PART-1/YEAR 1**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MA-01	Economic Theory: Theory of Consumer Behaviour/ आर्थिक सिद्धांत: उपभोक्ता व्यवहार सिद्धांत	8
MA-02	Economic Theory: National Income/ आर्थिक सिद्धांत: राष्ट्रीय आय	8
MA-03	Public Economics/ सार्वजनिक अर्थशास्त्र	8
MA-04	Quantitative Methods/ परिमाणात्मक विधियां	8

PART-2/YEAR 2

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MA-05	International Economics/ अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	8
MA-06	Development of Indian Economics/ भारतीय अर्थशास्त्र का विकास	8
MA-07	Labour Economics / श्रम अर्थशास्त्र	8
MA-08	Regional Economic Development and Planning / क्षेत्रीय आर्थिक विकास एवं नियोजन	8
Total Credits		64

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- i. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Economics is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation from any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of M.A. Economics programme will have following components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)

- **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks (of one subject) before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- **University Fee Structure:** The fee structure of the MA (Economics) programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	6600	6600	13200

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. SLM of the programme is duly approved by the board of studies of Economics. Periodic review of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.
The programme is expected to make the learners learn economics, which will prepare them for various employment sectors.

PROGRAMME PROJECT REPORT**Name of Course/Programme: Master of Arts in History**

- a) **Programme Mission & Objectives:** Master of Arts in History has provided several opportunities to the students. Academics, Museum researcher, Media Researcher, Museum Education Officer, Archaeology, & Heritage Industry have always needed a good historian. Following are the objectives of the programme:
- i. To make the students aware about historical facts and concepts.
 - ii. To enhance the knowledge about the development of customs, institutions, religion and administration.
 - iii. To understand the historical, social, political and economic conditions of the people.
 - iv. To enables students to analyse & weight evidences and take right decisions.
 - v. To prepare the students for new knowledge and originality so as to make a meaningful contribution to society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh, Bilaspur is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age. This university provide a new lifeline to create an educated society.
- c) **Nature of Prospective target group of learners:** The course is designed to fulfil the requirements of students. It will provide a great opportunity to those learners, who cannot continue their study in regular education system. It also helps to develop the capability and confidence to face the competitive examination.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Master of Arts in History is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for various professions and competitive examinations.
- e) **Instructional Design:**
- i. **Duration and Credit:** Minimum duration of this programme has two years, and maximum duration will be four years. This programme has weightage of 64 credits. Students have required to complete 32 credit in each year.
 - ii. **Medium:** The course material for M.A. in History programme will be in Hindi language. However, students can opt English or Hindi language for answering in the examination.

	No. of Papers	Name of Papers	CREDIT
M.A. (Previous)	प्रथम प्रश्नपत्र	विश्व इतिहास (मध्यकालीन समाज एवं क्रांति का युग)	8
	द्वितीय प्रश्नपत्र	विश्व इतिहास (राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद)	8
	तृतीय प्रश्नपत्र	आधुनिक विश्व का इतिहास (1917 से 1945 ई. तक)	8
M.A.(Final Year)	चतुर्थ प्रश्नपत्र	ऐतिहासिक चिंतन	8
	प्रथम प्रश्नपत्र	प्राचीन भारत में राज्य एवं राजनीति	8
	द्वितीय प्रश्नपत्र	प्राचीन भारत में व्यापार एवं शहरीकरण	8
	तृतीय प्रश्नपत्र	स्वतंत्रता आंदोलन (1920 से 1947 ई. तक)	8
	चतुर्थ प्रश्नपत्र	मध्यकालीन भारत में प्रशासकीय संस्थाओं का विकास	8
Total Credits			64

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self-Learning Materials-SI.M).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Subject related group discussion.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and the Self-learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, they can discuss with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Supporting Staff:** Department is headed by In-charge faculty. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact class and counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**
- Eligibility:** Graduation from any recognized university.
 - Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for this programme will have following two components : (a) Tutor-Mark Assignment-(TMA) (b) Term-End Examination-(TEE).
- Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment (TMA):** The students have to submit Tutor-Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks in each paper, before the Term-End Examination (TEE), which will be base for the appearing in Term-End Examination.
 - Term-End Examination (TEE):** Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks and will be on subjective mode. The structure of the examination is as under:

Types and number of questions in TMA and TEE

Part	Total no. of Questions	Types of Questions
Part-A	Total 08 Questions (All questions are compulsory)	Very short answer (Word limit- answer in one sentence)
Part-B	Total 06 Questions (04 should be answered)	Very short answer (Word limit- answer in 75 word)
Part-C	Total 04 Questions (03 should be answered)	short answer (Word limit- answer in 150 word)
Part-D	Total 04 Questions (02 should be answered)	Semi-long answer (Word limit- answer in 300 word)
Part-E	Total 02 Questions (01 should be answered)	long answer (Word limit- answer in 600-750 word)
Total	Total 24 Questions (18 should be answered)	

c) **Result:** Result will be declared by the university based on 10 Point grading system.

(g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library (Swami Vivekananda Library) as well as in the library of Study Centres.

(h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.

Details of Programme Fee (In Rupees)

Fee Detail	Previous Year	Final Year	Total
Yearly Fee	6,600/-	6,600/-	13,200/-

(i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned Board of Studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

M.A. [MATHEMATICS]

- a) **Programme Mission and Objective:** M.A. [Mathematics] is designed through distance mode to promote the scientific temperament of the learners in higher education by providing easy access to all those students to improve their qualification, skills and competence. The education in M.A. [Mathematics] will be theoretical so that students will be prepared for a Mathematician as a career for industry and entrepreneurship. Following are the broader objectives of the programme:
- To educate and create the prospective and diverse group of students with knowledge, analytical ability and importance of Mathematics.
 - The learner will be taught about the scope of Mathematics in day to day life.
 - To make the students aware of changing environment and scope, in the field of Mathematics to operate in a competitive environment.
 - To seek continuous improvement in individual learning skills and personal development in the field of mathematics and to work with confident self-direction and originality so as to make a meaningful contribution to society in the field of mathematics.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with assure quality of scientific education to learner of remote area where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward learners who cannot find a place in regular education system and are deprived of maths education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be graduate students of arts faculty (with mathematics as a subject).
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** M.A. [Mathematics] is one of the suitable courses/programmes to be offered through Open and Distance Learning mode. Theoretical mode can be well acquired through the distance learning mode.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weightage of 64 credits. In this programme the student has to study 4

Courses of 32 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.

- ii. Medium: The course material for M.A. programme will be in Hindi language, however students can opt English or Hindi language in the examination.
- iii. Course Structure:

COURSE SYLLABUS
Fundamental course

CURRICULUM TITLE	1 st Year	2 nd Year	Total Credit
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Total	32	32	64

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- Preparing the students Assignment.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Faculty of science is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

- i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme for the candidates is having passed graduation examination of arts faculty (with mathematics as a subject) from any recognised board.

- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to obtain minimum pass marks of 40%. Degree will be awarded on the basis of aggregate marks obtained in each year. Passing in all the years will be an essential criteria for the award of degree.
- iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from year I to year II of M.A.[Mathematics] programme will have following two components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE).
- a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- c) **University Fee Structure:** The fee structure of the M.A. programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	7100	7100	14200

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required for this course. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library and library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.

- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Pt. Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh, Bilaspur

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Name of Course/Programme: **Master of Arts in Political Science**

- a) **Programme Mission and Objectives:** Master of Arts in Political Science has provided several opportunities to the students in both government and private sectors. Academics, Politics, Public Administration, law, and social field has always needed a good Political Scientists. Following are the objectives of the programme:
- i. To make the students aware about political history of India from ancient to modern era.
 - ii. To enhance the knowledge about the systematic development of political institutions.
 - iii. To understand the contemporary political trends for fruitful suggestions about new political challenges.
 - iv. To prepare the students for new knowledge and originality so as to make a meaningful contribution to society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses that are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the requirements of students. It will provide a great opportunity to those learners, who cannot continue their study in regular education system. It also helps to develop the capability and confidence to face the competitive examination and other related professions.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** This programme is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability, which will make them polished and prepared for the employment.
- e) **Instructional Design :**
- (i) **Duration and Credit** Minimum duration of this programme has two years, and maximum duration will be four years. The programme has weightage of 64 credits. The student is required to complete 32 credit in each year.
 - (ii) **Medium:** The course material for M.A. in Political Science programme will be in Hindi language. However, students can opt English or Hindi language for answering in the examination.

(iii) Course Structure:

	No. of Papers	Name of Papers	CREDIT
M.A. (Previous)	प्रथम प्रश्नपत्र	राजनैतिक विचार	8
	द्वितीय प्रश्नपत्र	तुलनात्मक राजनीति	8
	तृतीय प्रश्नपत्र	अंतरराष्ट्रीय राजनीति	8
	चतुर्थ प्रश्नपत्र	भारतीय राजनीति I	8
	प्रथम प्रश्नपत्र	विकसित राजनैतिक सिद्धांत	8
	द्वितीय प्रश्नपत्र	भारतीय राजनीति II	8
M.A. (Final Year)	तृतीय प्रश्नपत्र	भारत के विशेष संदर्भ में तुलनात्मक विदेश-नीति अध्ययन	8
	चतुर्थ प्रश्नपत्र	सार्वजनिक नीति	8

Total Credits = 64

- (iv) **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self-Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Subject related group discussion.
- (v) **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and the Self-learning Material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, they can discuss with the counsellor during the contact session at the study centres.
- (vi) **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Political Science is presently headed by one permanent faculty. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact class and counselling sessions.

(f) Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation pattern:

- Eligibility:** Graduation from any recognized university.
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online.
- Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
- Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for this programme will have following two components : (a) Tutor-Mark Assignment-(TMA) (b) Term-End Examination-(TEE)
 - Tutor-Mark Assignment (TMA):** The students have to submit Tutor-Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks in each paper, before the Term-End Examination (TEE), which will be base for the appearing in Term-End Examination.

- b) **Term-End Examination (TEE):** Term End examination (TEE) of each paper in the course will be of 70 marks and will be on subjective mode. The structure of the examination is as under:

Types and number of questions in TMA and TEE		
Part	Total no. of Questions	Types of Questions
Part-A	Total 08 Questions (All questions are compulsory)	Very short answer (Word limit- answer in one sentence)
Part-B	Total 06 Questions (04 should be answered)	Very short answer (Word limit- answer in 75 word)
Part-C	Total 04 Questions (03 should be answered)	short answer (Word limit- answer in 150 word)
Part-D	Total 04 Questions (02 should be answered)	Semi-long answer (Word limit- answer in 300 word)
Part-E	Total 02 Questions (01 should be answered)	long answer (Word limit- answer in 600-750 word)
Total	Total 24 Questions (18 should be answered)	

c) **Result:** Result will be declared by the university based on 10 Point grading system.

(g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library (Swami Vivekananda Library) as well as in the library of Study Centres.

(h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its each Annual Budget session.

Details of Programme Fee (In Rupees)

Fee Detail	Previous Year	Final Year	Total
Yearly Fee	6,600/-	6,600/-	13,200/-

- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the concerned department. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned Board of Studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students are asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for improvement of the programme and further these are duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Master of Arts (Sociology)

a) **Programme Mission and Objective:**

Program M. A. (Sociology)'s mission is to provide the platform at post graduate level for the learners to achieve the conceptual knowledge of society and to inculcate them social skills for better society.

Following are the broader objectives of the programme:

- (i) To make available fundamentals of the subject- sociology to the learners.
- (ii) To make them understood different principles, processes, systems and dynamics of society to serve the society better.
- (iii) To protect & promote human rights and social justice.
- (iv) To prepare the students to formulate , implement and administrate the policy & services.
- (v) To engage the students in advanced practices to intervene into the society.

b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.

c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the requirements, both at Individual and Social level. The prospective learners can be graduates who seek to make their career in the field of sociology.

d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** M.A. Sociology is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.

c) **Instructional Design :**

- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of six years. The programme has weight age of 64 credits. In this programme the student has to study 4 Courses of 32 credit in each year. Contact sessions for each course are arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
- ii. **Medium:** The course material for M.A. programme in Hindi language. However, students can opt both English or Hindi language for answering in the examination.
- iii. **Course Structure:**

MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY)

COURSE SYLLABUS
PART-1/YEAR 1

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MASOC-01	Basic Elements Of Sociology	8
MASOC-02	The Logic of Sociological Research	8
MASOC-03	Indian Social System	8
MASOC-04	Rural Sociology	8

PART-2/YEAR 2

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MASOC-05	Contemporary Sociological Theories	8
MASOC-06	Sociological Thinkers	8
MASOC-07	The Development of Sociology in India	8
MASOC-08	Criminology	8
Total Credits = 64		

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Group discussion and case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Sociology is presently headed by one permanent faculty who will act as programme coordinator. Supporting staffs have been deputed for smooth execution of programme.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme is on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed 10+2+3 examination from any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from year I to year II of M.A programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

- **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

- **University Fee Structure:** The fee structure of the M.A. Sociology programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total Fees
Yearly Fees	6600	6600	13200

- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Name of Course/Programme: **Master of Arts in English**

- a) **Programme Mission and Objectives:** Master of Arts in English has provided several opportunities to the students in both government and private sectors. Academics, Teaching, Advertising and marketing fields have always needed a good language and literature expert. Following are the broader objectives of the programme:
- To make the students aware about the development of English literature.
 - To enhance the knowledge about the contribution of English authors.
 - To develop the capability of literary writing.
 - To prepare the students for new knowledge and originality so as to make a meaningful contribution to society.
 - To develop the expression capability and effective writing.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sunderlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the requirements of students. It will provide a great opportunity to those learners, who cannot continue their study in regular education system. It also helps to develop the capability and confidence to face the competitive examination and other related professions.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Master of Arts in English is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability, which will make them polished and prepared for the employment.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** Minimum duration of this programme has two years, and maximum duration will be four years. This programme has weightage of 64 credits. Students have required to complete 32 credit in each year.
 - Medium:** The course material for M.A. in English will be in English language.



iii. Course Structure:

	No. of Papers	Name of Papers	CREDIT
M. A. (Previous)	First Paper	From Middle Plantagenet to Caroline Age (1350-A.D. to 1660- A.D.)	8
	Second Paper	From Restoration to Middle Georgian Age (1660-A.D. to 1798-A.D.)	8
	Third Paper	From Later Georgian Age (1798-A.D. to 1914-A.D.)	8
	Fourth Paper	The Present Age (1914-A.D. to 2000-A.D.)	8
M. A. (Final Year)	First Paper	A Study of Fiction	8
	Second Paper	Literary Theory	8
	Third Paper	Going through Shakespeare	8
	Fourth Paper	English Language :A Study	8
Total Credits			64

iv. **Learning Method:** The learning method comprises of independent form of delivery and constitutes the following components:

- Self-Instructional text books (Self-Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- Subject related group discussion.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and the Self-learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, they can discuss with the counsellor during the contact session at the study centres.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department is headed by In-charge faculty. At the study centre qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact class and counselling sessions.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation pattern:**

- Eligibility:** Graduation from any recognized university.
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online.
- Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
- Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for this programme will have following two components : (a) Tutor Mark Assignment-(TMA) (b) Term-End Examination-(TEE)
 - Tutor Mark Assignment (TMA):** The students have to submit Tutor-Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks in each paper before the Term-End Examination (TEE), which will be base for the appearing in Term-End Examination.

- b) **Term End Examination (TEE):** Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks and will be on subjective mode. The structure of the examination is as under:

Types and number of questions in TMA and TEE		
Part	Total no. of Questions	Types of Questions
Part-A	Total 08 Questions (All questions are compulsory)	Very short answer (Word limit- answer in one sentence)
Part-B	Total 06 Questions (04 should be answered)	Very short answer (Word limit- answer in 75 word)
Part-C	Total 04 Questions (03 should be answered)	short answer (Word limit- answer in 150 word)
Part-D	Total 04 Questions (02 should be answered)	Semi-long answer (Word limit- answer in 300 word)
Part-E	Total 02 Questions (01 should be answered)	long answer (Word limit- answer in 600-750 word)
Total	Total 24 Questions (18 should be answered)	

(c) **Result:** Result will be declared by the university based on 10 Point grading system.

(g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library (Swami Vivekananda Library) as well as in the library of Study Centre.

(h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.

Details of Programme Fee (In Rupees)

Fee Detail	Previous Year	Final Year	Total
Yearly Fee	6,600/-	6,600/-	13,200/-

- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the concerned department. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned Board of Studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students are asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and further these are duly incorporated into the teaching and delivery system.

कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (PROGRAMME PROJECT REPORT-PPR)

हिंदी (स्नातकोत्तर)

(क) कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्य : यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय समाज, संस्कृति, साहित्य एवं भाषा से जोड़ते हुए उनके ज्ञान में गुणात्मक अभिवृद्धि के उद्देश्य से बनाया गया है ताकि विद्यार्थी अपने आप को समाज जोड़ते हुए स्थापित कर सकें, इससे सुदृढ़ एवं शिक्षित समाज की परिकल्पना साकार हो सकेगी। वर्तमान प्रतियोगी दौर में विद्यार्थियों को रोजगारपरक विकल्पों— संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) तथा इसी तरह अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना जैसे लक्ष्य कार्यक्रम निर्माण करते समय ध्यान में रखे गये हैं।

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य विंदुवार इस प्रकार है—

- विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं साहित्य और उसके विकास के विभिन्न चरणों से अवगत हो सकें,
- विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत शैक्षणिक विकास में निरंतर सुधार ला सकें,
- विद्यार्थियों में सामाजिक दायित्वबोध जागृत करना,
- विद्यार्थियों में साहित्य—लेखन क्षमता का विकास करना,
- विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन और मौलिक चिंतन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा सकें और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

(ख) उच्च—शिक्षा संस्थान में दूरस्थ शिक्षा—पद्धति से इस लक्षित कार्यक्रम की प्रासंगिकता : यह विश्वविद्यालय गुणवत्ता युक्त दूरस्थ उच्च—शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय अपने इस लक्ष्य और उद्देश्य प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों जशपुर, बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अध्ययन—केंद्रों के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा—पद्धति से उच्च—शिक्षा प्रदान करता है।

(ग) विद्यार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूप : इस कार्यक्रम में आयु का बंधन नहीं। वे सभी अध्ययन इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।



(घ) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति के तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रायोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता : यह कार्यक्रम मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से उच्च-शिक्षा प्रदान करने वाले कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में हिंदी भाषा एवं साहित्य के स्नातकोत्तर स्तरीय ज्ञान की गुणात्मक वृद्धि के लिए है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं साहित्य का गहन ज्ञान प्राप्त करता है जिससे वह अपने जीवन के सुचारु संचालन, समाज में बेहतर समन्वय, संगठन, संतुलन स्थापित कर सकता है।

(ड) निर्देशात्मक आकार (डिजाइन) :-

1. अवधि और क्रेडिट : इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष की है, यद्यपि विद्यार्थी अधिकतम चार वर्षों में यह कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है। यह कार्यक्रम 64 क्रेडिट (1 क्रेडिट में 30 घंटे की अध्ययन अवधि) का है जिसमें विद्यार्थी से प्रत्येक वर्ष (पूर्व एवं अंतिम वर्ष में) 32 क्रेडिट का अध्ययन अपेक्षित है।
2. माध्यम : हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम हिंदी माध्यम में संचालित होगा।
3. कार्यक्रम संरचना :

	विषय कोड	विषय	क्रेडिट
पूर्व वर्ष	MAHIN-01	आदि एवं मध्यकालीन काव्य	8
	MAHIN -02	आधुनिक काव्य	8
	MAHIN -03	हिंदी साहित्य का इतिहास	8
	MAHIN -04	काव्यशास्त्र एवं समालोचना	8
अंतिम वर्ष	MAHIN -05	नाटक एवं काव्येत्तर गद्य	8
	MAHIN -06	कथा-साहित्य	8
	MAHIN -07	भाषाविज्ञान	8
	MAHIN -08	आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा	8
कुल क्रेडिट =			64

4. शिक्षण-पद्धति : विश्वविद्यालय द्वारा विकसित शिक्षण विधि में विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शामिल होंगे। जिसके निम्नलिखित घटक हैं-

- (1) आत्म-निर्देशात्मक पाठ्य-पुस्तकें (स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री)
- (2) विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन-केंद्रों पर आयोजित परामर्श और संपर्क कक्षाएँ।
- (3) विषय से संबंधित समूह चर्चा।

5. स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री (Self-learning Material-SLM) का वितरण : कला स्नातक हेतु पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विषय विशेषज्ञों द्वारा

स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री तैयार करायी है। विद्यार्थियों को स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान अंकित पते पर डाक द्वारा प्रेषित की जाती है। स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री के अध्ययन में विषय से संबंधित कोई कठिनाई आती है, तो वह अध्ययन-केंद्र पर संचालित संपर्क कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ द्वारा उक्त कठिनाइयों का समाधान प्राप्त कर सकता है।

8. **कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता :** इस कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ और सहायक कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय में हैं। अध्ययन-केंद्र पर संपर्क कक्षाओं के संचालन के दौरान विषय-विशेषज्ञों तथा सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाती हैं।

(घ) प्रवेश, अंक विभाजन, मूल्यांकन-प्रक्रिया व परिणाम :

(1) **योग्यता :** इस कार्यक्रम हेतु न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

(2) **प्रवेश-प्रक्रिया :** इस कार्यक्रम के लिए प्रवेश-प्रक्रिया एक वर्ष में दो बार (सामान्यतः जून-सितंबर व जनवरी-मार्च के बीच) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में संपन्न की जाती है। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है।

(3) **सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा एवं अंक विभाजन :** इस कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को पूर्व और अंतिम वर्ष में सत्रीय कार्य (Tutor Mark Assignment-TMA) विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 30 अंक, तथा सत्रांत परीक्षा (Term End Examination-TEE) विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 70 अंक निर्धारित हैं।

सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा में प्रश्नों के प्रकार व संख्या

खंड	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का प्रकार
वर्ग-अ	कुल 8 प्रश्न (सभी प्रश्न अनिवार्य)	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा एक वाक्य
वर्ग-ब	कुल 6 प्रश्न परीक्षार्थी को कोई 4 प्रश्न हल करने होंगे।	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 75 (आधा पृष्ठ)
वर्ग-स	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	लघु उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 150 (एक पृष्ठ)
वर्ग-द	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे।	अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 300 (दो पृष्ठ)
वर्ग-ई	कुल 2 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 1 प्रश्न हल करना होगा।	दीर्घ उत्तरीय शब्द सीमा 600-750 (4-5 पृष्ठ)

योग	कुल 24 प्रश्न, परीक्षार्थी 18 प्रश्न हल करेगा।
-----	--

(4) मूल्यांकन-प्रक्रिया : योग्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।

(5) परिणाम : विश्वविद्यालय 10 बिन्दु ग्रेड पद्धति (10 Point grading system) के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

(घ) प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम में प्रवेशित छात्रों को प्रदेश लेने पर स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री उनके द्वारा अंकित पते पर प्रेषित कर दी जाती है। यदि विद्यार्थी पुस्तकालय का लाम लेना चाहता है तो विषय से संबंधित संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएँ विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित पुस्तकालय (स्वामी विवेकानंद पुस्तकाल) पर विश्वविद्यालय कार्य दिवसों में अध्ययन सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा अध्ययन-केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगी।

(ज) कार्यक्रम हेतु शुल्क प्रावधान : इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और उसके विकास का दायित्व निर्वहन विश्वविद्यालय करेगा। इसके लिए निधि विश्वविद्यालय अपने वार्षिक बजट में से आबंटित बजट के अनुसार करेगा।

छात्र द्वारा निम्नलिखित शुल्क देय होगा-

हिंदी स्नातकोत्तर हेतु शुल्क (रु. में)			
शुल्क विवरण	प्रथम वर्ष	अंतिम वर्ष	कुल
कुल शुल्क	6,600	6,600	13,200

(झ) कार्यक्रम की गुणवत्ता का आँकलन और अपेक्षित परिणाम : विश्वविद्यालय द्वारा इसके लिए एक समीक्षा-तंत्र विकसित किया जाएगा जो अध्ययन की तात्कालीन आवश्यकताओं, मानकों, और कार्यक्रम की आवश्यक रूपरेखा तय करेगा। कार्यक्रम संचालन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम को आदर्यतन, अध्ययन, शिक्षण मानकों के अनुरूप बनाने हेतु विभागीय समिति (Board of study) कार्यक्रम पर निगरानी रखेगी और आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन-केंद्र (Center for Internal Quality Assurance-CIQA) यह समिति छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाएँ शामिल कर कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाएगी और गुणवत्तायुक्त शिक्षण-प्रणाली विकसित करने का दायित्व निर्वाह करेगी।

- a) **Programme's mission and objectives :**
- 1 To build bridges between the Ancient Indian knowledge systems and the current knowledge systems through learning of Sanskrit.
 - 2 To explore Ancient Science and Technologies with a modern perspective to build alternate viable systems for the future through learning of Sanskrit.
 - 3 To train traditional scholars in order to undertake research in application oriented knowledge mining.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** The Course is designed for graduates of Chhattisgarh state belonging to both rural and Urban areas. This course is enable them to learn and acquire knowledge of our Indian Culture, Ideology, Philosophy and Dharma .Vedas, Puran and Upnishad are basic source of all other philosophy and knowledge. By learning this course students will be prepared for future research and well positions in higher education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** Graduates from any recognized university are eligible take admission in this course.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Sanskrit M.A is one of the suitable course/programme to be offered in Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them learn Sanskrit literature.
- e) **Instructional Design:**
- i. **Duration and Credit:** The programme duration is of two years, although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has total weightage of 64 credits which is equally divided in both the years.
 - ii. i **Medium:** The course material for M.A. programme is available in Sanskrit language with Hindi translation.

iii. **Course Structure:**

M.A. Previous	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
	MASSK 01	Vedic Sahitya Evam Tulnatmak Bhasha Vigyan	8
	MASSK 02	Lalit Sahitya Evam Natak	8

	MASSK 03	Vyakaran Evam Nibandh	8
	MASSK 04	Bharatiy Darshan	8
TOTAL.			32
M.A. Final			
	MASSK 05	Gadya and kavay	8
	MASSK 06	Suhitya	8
	MASSK 07	Natak evam Natyshastr	8
	MASSK 08	Bhartiy Samaj evam Paryavarn	8
TOTAL.			32

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University is comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Group discussion
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Sanskrit is headed by a permanent faculty member. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.
- F) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme are on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course are done through online mode.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the M.A. Sanskrit programme, a candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e.40%).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from Previous and final of Sanskrit programme have following two components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each paper in every year the students performance have continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation has done by the Study Centre. Which is monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.

- e) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- f) **Course Fee:**

Course Fee	Previous	Final	Total
Total Fee	7,100	7,100	14200

- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and journals are made available to the student in the University Central library and libraries of every study centres which they can access for gaining knowledge.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- (i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

- a) **Programme Mission and Objective:**
- To provide conceptual knowledge, logical reasoning ability and analytical skills in the domain of commerce.
 - To enable the students in practical application of the concepts taught during the course.
 - To develop managerial and entrepreneurial skills necessary to venture into the corporate sector.
 - It facilitates an all-round development of the student by sensitizing towards the ethical and social needs of the society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sunderlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. This programme with its high bound utility will serve the purpose of knowledge and utility in society and Industries.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The learners of this programme will be the commerce graduates and graduates of business administration who aim to get higher education in the field of commerce. Personnel's working in Industry can also take the advantage of this programme.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** This post graduate degree in commerce is one of the most prevalent and suitable programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The course curriculum is designed so as to facilitate learners to acquire appropriate skills needful in the present market scenario.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weightage of total 72 credits.
 - ii. **Medium:** The course material for M.Com programme will be in Hindi language. However, students can opt for either English or Hindi language for answering the questions in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

M.Com. Previous	COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
	MCOM-01	Organisation & Management	8
	MCOM-02	Business Environment	8

	MCOM-03	Financial & Corporate Accounting	8
	MCOM-04	Financial Management	8
TOTAL			32
M.Com. Final	MCOM-05	Research Methodology	8
	MCOM-06	Managerial Economics	8
	MCOM-07	International Business	8
	MCOM-08	Cost and Management Accounting	8
	MCOM-09	Cost and Management Audit	8
TOTAL			32

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department is headed by One Regional Director and One Programme Coordinator (at honorary basis) at the headquarters. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.

D) Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :

- Procedure of Admission:** All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme for the candidates is having passed B.Com or BBA examination from recognized University.
- Curriculum Transaction:** successful completion of this programme, a candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e.40%). The levels of student performance is indicated in Letter grades and corresponding Grade point.
- Evaluation Pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper in both the year has following two components:
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each subject the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.

- b) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) of each paper is of 70 marks and is on subjective as well as objective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- c) **University Fee Structure:**

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	7100	7100	14200

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)**MASTER OF ARTS IN EDUCATION**

- a) **Programme's Mission and Objectives:**
- ✓ To enable learners to understand Social, Psychological and Philosophical bases of education;
 - ✓ To acquaint learners about teaching learning process;
 - ✓ To acquaint learners with the cutting-edge technology in educational practices;
 - ✓ Provide learning-experience, which will enable students to understand and appreciate knowledge structures and paradigms of education;
 - ✓ Create a community of scholars adequately equipped for participation in educational discourse.
- b) **Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:** The Programme unlike HEI's Mission is committed to serve the public, through the curriculum in ways that provide learners' with the capacity for effective citizenship and answer questions of importance to humanity. The University is focused on the all-round development of the learners personality through proper education and exposure, to the vast treasure of knowledge and by providing platforms for their socialization.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The target group is prospective graduate student of the society because teaching-learning education is helpful in one's life as well as vocation. Master of Arts in Education is aimed at developing professionals for effective participation in educational actions in different areas of education. The Programme is an innovative Post-Graduate programme in education which emphasizes both disciplinary and professional dimensions of education as an area of study.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The purpose of the correspondence Master of Arts in Education Degree, offered by PSSOU, is to render student with outspread array of operational skills, to specialize the student in a specific area of teaching to provide learners a wider and more comprehensive understanding of education as field of knowledge and would accommodate a wide variety of learning needs of learners.
- e) **Instructional Design:**
- I. **Duration and Credit:** This programme has a minimum duration of two years, although learners may complete the programme gradually within the maximum



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

period of four years. The programme has a weightage of 72 credits. The learner has to study 4 papers of 32 credits in Previous and 5 papers of 40 credits in Final year.

446

- ii. **Medium:** The course material for the programme will be in Hindi language. However, students can opt for either Hindi or English language for answering the question in examinations.

iii. **Course Structure :**

	COURSE CODE	SUBJECT TITLE	PAPER	CREDIT
PREVIOUS YEAR	MAED 01	Philosophical and Sociological Bases of Education	First	8
	MAED 02	Psychological Bases of Education	Second	8
	MAED 03	Research Methods in Education	Third	8
	MAED 04	Education Technology	Fourth	8
	TOTAL			
FINAL YEAR	MAED 05	Educational Management	First	8
	MAED 06	Guidance and Counselling	Second	8
	MAED 07	Curriculum Development	Third	8
	MAED 08	Women Education	Fourth	8
	MAED 09	Teacher Education	Fifth	8
TOTAL				40

However course structure/content is subject to change as per Board of Studies recommendations from time to time

- iv. **Learning Method :** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
1. Self Learning Material
 2. Counseling and contact sessions at the study centre by the subject experts
- v. **Means of Delivery:** Learners will be given the syllabus of the courses and also the Self Learning Material. It will help the learners to study a specific topic. If the learner has any difficulty, he/she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counselor at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** There are three Permanent and one temporary Assistant Professor at the headquarters. At the study centre qualified teachers and other staffs are already working. They are assigned contact classes and counselling sessions.

f) Procedure for Admissions , Curriculum , Transaction and Evaluation :

- (i) **Procedure of Admission:** The admission for this programme is done on yearly basis. All the admissions for the course are done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme will be Bachelors Degree or equivalent with 50% marks from any recognized University in Atrs, Commerce & Science stream.
- (ii) **Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e.40%).
- (iii) **Evaluation Pattern:** The weightage for internal and external evaluation is in the ratio of 30:70. The pattern of evaluation for each paper from will have following two components :
- a). **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the learner's performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students will have to compulsorily submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which is the base of evaluation.
- b). **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination Term End examination (TEE) of each paper is of 70 marks and will be on objective and subjective mode. The pattern of the question paper (at present) is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

1. Fee Structure: Details of Fee (in Rs.) are as under

Particulars	Previous Year	Final Year	Total
Course Fees (Yearly)	7,100	7,100	14,200

Fee is subject to change as per University notification from time to time

- g) **Requirement of the Laboratory support and Library Resources:** Laboratory facility is not required for this programme however desired facilities are made available at the study centers. Resources in the form of reference books and Journals are made available to the learners in the University Central library and libraries of every study centre's.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development, delivery and maintenance of the programme the fund is provided as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned board of studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) cell of the University.

PANDIT SUNDARLA SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DEGREE IN LAW (LL.M)

- a) **Programme Mission and Objective:** Post Graduate Degree in Law (LL.M) is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Law and welfare.
Following are the broader objectives of the programme:
1. To make the students aware of changing scope and strategies of Law needful to operate in a competitive environment.
 2. To set up one's own career in the field of law which enables to serve the purpose of truth to mankind.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. This programme with its high bound utility will serve the purpose of knowledge relating to legislature.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The learners of this programme will be the graduates in Law who aim to get higher education in the field of Law. Graduate law practitioners can also take the advantage of this programme.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Post Graduate Degree in Law is one of the most prevalent and suitable programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them efficient for all Legal work.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of Two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weightage of 96 credits. In this programme the student have to study 6 papers of 48 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for Master of Law programme will be in Hindi language. However, students can opt Hindi or English language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

COURSE SYLLABUS		
PREVIOUS		
COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
LLM-01	JUDICIAL PROCESS	8
LLM-02	LAW OF SOCIAL TRANSFORMATION IN INDIA	8
LLM-03	LAW OF INDUSTRIAL AND INTELLECTUAL PROPERTY	8
LLM-04	LAW RELATING TO INTERNATIONAL TRADE	8
LLM-05	LEGAL THEORY	8
LLM-06	LAW RELATING TO BANKING AND NEGOTIABLE INSTRUMENTS	8

FINAL		
	COURSE TITLE	
LLM-07	RESEARCH METHODOLOGY	8
LLM-08	INDIAN CONSTITUTION LAW- THE NEW CHALLENGES	8
LLM-09	INSURANCE LAW	8
LLM-10	CORPORATE LAW AND MANAGEMENT	8
LLM-11	DISSERTATION	8
LLM-12	VIVA VOCE	8
	TOTAL CREDITS	96

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing Dissertation work.
- v. **Means of Delivery:** The students will be given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Law is presently (additionally) headed by one permanent faculty who is acting as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers will be assigned with contact classes and counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed LL.B. examination with 55% marks from any recognised institution or University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).

iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Two years of P.G. Degree in Law programme will have following three components: (a) Continuous Assessment through TMA (b) Dissertation Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE).

- a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Dissertation Work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based on Dissertation work submitted by the students with viva-voce.
- c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks and will be on subjective mode. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the LL.M. programme is as under:
Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Total fees in Year I	Total fees in Year II
Yearly Fees	15,500	15,500

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLA SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Master of Arts (Psychology)

- a) **Programme Mission and Objective:** Master of Arts Psychology is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Psychology. Following are the broader objectives of the programme:
- i. To acquire a base of knowledge about the principles of psychology as they are applied in industrial and organizational settings.
 - ii. Synthesize the foundations of clinical psychology, including psychopathology, human development, diagnosis, diversity, ethics, and various therapeutic models in clinical applications.
 - iii. Demonstrate personal development and self-reflective capacity, including growth of interpersonal skills, and therapeutic relationships.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. This programme with its high bound utility will serve the purpose of knowledge in Psychology in the society.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The learners of this programme will be the graduates who aim to get higher education in the field of Psychology.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** M.A. Psychology is one of the suitable programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weight age of 80 credits. In this programme the student have to study 5 papers of 40 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for M.A. Psychology programme will be in Hindi language. However, students can opt both English and Hindi language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

COURSE SYLLABUS

PART-1/YEAR 1

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MAPSY-01	Psychological Research Methods	8
MAPSY-02	Statistics and Psychological Measurement	8
MAPSY-03	Cognitive Psychology : Basic Processes	8
MAPSY-04	Social and Cultural Psychology	8
MAPSY-05	Practical Psychology	8

PART-2/YEAR 2		
COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MAPSY-06	Personality : Theories and Assessment	8
MAPSY-07	Clinical Psychology	8
MAPSY-08	Developmental Psychology	8
MAPSY-09	Guidance and Counselling Psychology	8
MAPSY-10	Practical Psychology	8

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Psychology is headed by a permanent faculty member; other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and Counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation from any recognised board or university.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of M.A Psychology programme will have following components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Practical/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE).
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks (of the subject) before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - Practical Work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students with viva-voce.
 - Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

d) **University Fee Structure:** The fee structure of the M.A.(Psychology) programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	6,600	6,600	13,200

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is required as a part of this Curriculum. Resources in the form of laboratory, reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

M.Sc. [MATHEMATICS]

- a) **Programme Mission and Objective:** Master of Science [Mathematics] is designed through distance mode to promote the scientific temperament of the learners in higher education by providing easy access to all those students to improve their qualification, skills and competence. The education in M.Sc. [Mathematics] will be theoretical so that students will be prepared for a Mathematician as a career for industry and entrepreneurship. Following are the broader objectives of the programme:
- To educate and create the prospective and diverse group of students with knowledge, analytical ability and importance of Mathematics and skills needed to provide leadership to society.
 - The learner will be taught about the importance of Mathematics in day to day life.
 - To make the students aware of changing environment and scope, in the field of Mathematics to operate in a competitive environment.
 - To seek continuous improvement in individual learning skills and personal development in the field of mathematics and to work with confident self-direction and originality so as to make a meaningful contribution to society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with assure quality of scientific education to learner of remote area where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward learners who cannot find a place in regular education system and are deprived of maths education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be graduate students of science faculty (with mathematics as a subject).
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Master of Science [Mathematics] is one of the suitable courses/programmes to be offered through Open and Distance Learning mode. Theoretical mode can be well acquired through the distance learning mode.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of four years. The programme has weightage of 64 credits. In this programme the student has to study 4

Courses of 32 credit points in each year. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.

ii. **Medium:** The course material for M.Sc. programme will be in Hindi language. However students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.

iii. **Course Structure:**

COURSE SYLLABUS
Fundamental course

CURRICULUM TITLE	1 st Year	2 nd Year	Total Credit
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Mathematics	08	08	16
Total	32	32	64

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- Preparing the students Assignment.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Faculty of science is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission in this

- programme for the candidates is having passed graduation examination of science faculty (with mathematics as a subject) from any recognised board.
- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to obtain minimum pass marks of 40%. Degree will be awarded on the basis of aggregate marks obtained in each year. Passing in all the years will be an essential criteria for the award of degree.
- iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from year I to year II of M.Sc. [Mathematics] programme will have following two components: (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE).
- a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- b) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- c) **University Fee Structure:** The fee structure of the M.Sc. programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	7100	7100	14200

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required for this course. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library and library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.

- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes** : The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Master of Social Work (M.S.W.)

- a) **Programme Mission and Objective:**
Master of Social Work mission is to prepare ethical, competent, professional social work practitioners who will contribute to promote human rights and to bring social equity & social justice among the people of diverse society in the global community.
Following are the broader objectives of the programme:
- (i) To indentify & prepare the learners as professional social workers.
 - (ii) To apply social work ethical principles to inculcate the learners in their social work practices.
 - (iii) To develop critical thinking among learners as professional social worker.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age. The programme aims to provide quality education in social work to the students at their doorstep.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be graduates who wish to pursue their career in the field of social work.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** M.S.W. is one of the suitable course/programme to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of two years although student may complete the programme gradually within a maximum period of six years. The programme has weight age of 80 credits. In this programme the student has to study 5 Courses of 40 credits in each year. Students have to undergo a field work and have to submit dissertation of 8 credits. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for M.S.W. programme in Hindi language. However, students can opt English or Hindi language for answering the questions.
 - iii. **Course Structure:**

MASTER OF SOCIAL WORK (M.S.W.)

COURSE SYLLABUS
PART-1/YEAR 1

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MSW-01	History and Development of Social Work	8
MSW-02	Indian Social Structure and Social Problems	8
MSW-03	Human Growth and Personality Development	8
MSW-04	Human Behaviour (Social Psychology)	8
MSW-05	Concurrent Field Work and Viva voce of the Field Work Report	8

PART-2/YEAR 2

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
MSW-06	Social Work Research and Statics	8
MSW-07	Social Case Work, Group Work, Community Organisation and Social Action	8
MSW-08	Social Welfare administration and I.T.	8
MSW-09	Human Resource Management	8
MSW-10	Concurrent Field Work , Dissertation and Viva voce of Dissertation	8
Total Credits = 80		

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- a) Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- b) Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- c) Preparing the students for writing project report.
- d) Group discussion and case studies.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Social Work is presently headed by one permanent faculty who is acting as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed for smooth execution of programme.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

- **Procedure of Admission:** The admission for this programme is on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed 10+2+3 examination from any recognised University.
- **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).

- **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course from year I to year II of M.S.W. programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Project Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE)
- g) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
- h) **Project Work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based in project work submitted by the students with viva-voce.
- i) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks and will be on subjective mode. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

- j) **University Fee Structure:** The fee structure of the M.S.W. programme is as under:

Details of University Fee (In Rupees)

Particulars	Year I	Year II	Total
Yearly Fees	10000	10000	20000

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN ADVERTISING AND PUBLIC RELATIONS
(PGDAPR)

- a) **Programme Mission and Objective:** The mission of this programme is to built quality personnel's in the field of advertising and public relations. Following are the broader objectives of the programme:
- i. To provide basic and emerging concepts and principles in relation to better decision making in the areas of advertising & allied fields, public relations & corporate communication.
 - ii. To enable the students to integrate various functions with organizational goals and strategies.
 - iii. To sensitize students on various social communication issues in the light of concepts and theories of advertising.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the needs of advertising Industry. The target group of learners can be graduate individuals who seeks to make career in the field of advertising industry.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** PGDAPR is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed to understand the basics of advertising.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 36 credits. In this programme the student has to study 6 theory papers of 36 credits. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for this programme will be in English language. However students can opt English or Hindi language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDAPR01	Brand Management & Strategy in Advertising	6
PGDAPR02	Introduction to Advertising and Public Relation	6
PGDAPR03	Strategic Public Relation and Management	6
PGDAPR04	Public Relations	6
PGDAPR05	Corporate Communication	6
PGDAPR06	Tools Advertising and Public Relation	6
Total Credits		36

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Group discussion and case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation examination of any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Post graduate diploma in Advertising and Public Relations programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation..
 - Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

c) **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDAPR programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total (in Rupees)
Yearly Fees	12,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study canters, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Management. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

- a) **Programme's mission and objectives :** The mission of this programme is to built quality personnel's in the field of broadcast journalism. Following are the broader objectives of the programme:
- 1) To develop in-depth understanding of the concept, role and significance of communication in social development.
 - 2) To acquaint the students with the best traditions and practices of Journalism.
 - 3) To train the students in the art and craft of TV Journalism and equip them with skills and practices to readily take up journalistic and production jobs in TV Channel.
 - 4) To provide understanding of Radio journalism, programme generation, Station Management of FM stations.
- b) **Relevance of the Program with HET's Mission and Goals:** Pandit Sunderlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners :** The course is designed to fulfil the requirements of students. It will provide a great opportunity to those learners, who cannot continue their study in regular education system. It also helps to develop the capability and confidence to face the competitive examination and other related professions.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** PGDBJNM is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability, which will make them polished and prepared for the employment.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit :** Minimum duration of this programme has one year, and maximum duration will be three years. The programme has weightage of 36 credits.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDBJNM programme will be in English language. However, students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.
 - iii. **Course Structure:**

Course Syllabus:

COURSE CODE	Name of Papers	CREDIT
PGDBJNM 01	Communication: Principles Process Concepts and Models	6
PGDBJNM 02	Introduction to New Media	6
PGDBJNM 03	Radio Journalism	6
PGDBJNM 04	Television Journalism	6
PGDBJNM 05	Web Journalism	6
PGDBJNM 06	Writing for Various Media	6

Total Credits : 36

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self-Learning Materials-SLM).
 - Counselling and contact sessions at the study center by the subject experts.
 - Subject related group discussion.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and the Self-learning Material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, they can discuss with the counsellor during the contact session at the study centres.
- vi. **Requirement of Faculty and Supporting Staff:** Department of Hindi is presently headed by one permanent staff who will act as a programme coordinator. Supporting staff will be deputed at the study center as per need of the course curriculum.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:**

- Eligibility:** Graduation from any recognized university.
 - Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 40 % in each paper)
 - Assignment work, Marks division of Term-End Examination:** The pattern of evaluation for this Programme will have following two components : (a) Tutor Mark Assignment-(TMA) (b) Term-End Examination-(TEE)
- A) **Tutor-Mark Assignment (TMA):** The students have to submit Tutor-Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks in each paper, before the Term-End Examination (TEE), which will be base for the appearing in Term-End Examination.

B) **Term-End Examination (TEE):** Term End examination (TEE) of each paper in the course will be of 70 marks and will be on subjective mode. The structure of the examination is as under:

Types and number of questions in Assignment work and Term-End Examination		
Part	Total no. of Questions	Types of Questions
Part-A	Total 08 Questions (All questions are compulsory)	Very short answer (Word limit- answer in one sentence)
Part-B	Total 06 Questions (Attempt any 04 questions)	Very short answer (Word limit- answer in 75 word)
Part-C	Total 04 Questions (Attempt any 03 questions)	short answer (Word limit- answer in 150 word)
Part-D	Total 04 Questions (Attempt any 02 questions)	Semi-long answer (Word limit- answer in 300 word)
Part-E	Total 02 Questions (Attempt any 01 questions)	long answer (Word limit- answer in 600-750 word)
Total	Total 24 Questions (Attempt 18 questions)	

- (c) **Result:** Result will be declared by the university based on 10 Point grading system.
- (g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library (Swami Vivekananda Library) as well as in the library of Study Centres.
- (h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its each Annual Budget session.

Details of Programme Fee (In Rupees)	
Total Fee	16,600/-

(i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the concerned department. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned Board of Studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students are asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for improvement of the programme and further these are duly incorporated into the teaching and delivery system.

कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (PROGRAMME PROJECT REPORT-PPR)

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(क) कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्य : यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य और संस्कृति से जोड़ने व उनके ज्ञान में गुणात्मक वृद्धि के उद्देश्य से बनाया गया है ताकि विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य को जान सकें और समन्वय स्थापित कर सकें। छत्तीसगढ़ भौगोलिक रूप से एक बड़ा वनाच्छादित प्रदेश है जहाँ शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ा कर यहाँ के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं (छ.ग. राज्य लोक सेवा तथा राज्य में आयोजित होने वाली अन्य प्रतियोगी परीक्षाएँ) के माध्यम से रोजगारपरक विकल्पों की तलाश में मदद करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना जैसे लक्ष्य कार्यक्रम निर्माण करते समय ध्यान में रखे गये हैं :

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य बिंदुवार इस प्रकार है—

- छत्तीसगढ़ी भाषा एवं अंतरवर्तनी बोलियों एवं साहित्य की जानकारी उपलब्ध कराना,
- विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से अवगत करना,
- विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत शैक्षणिक विकास में निरंतर सुधार ला सकें,
- प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी से प्रदेश के जनसमुदाय से सहज रूप वार्तालाप स्थापित कर सकें और उनकी समस्याओं का उचित समाधान निकाल सकें।

(ख) उच्च-शिक्षा संस्थान में दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से इस लक्षित कार्यक्रम की प्रासंगिकता : विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों जशपुर, बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अध्ययन-केंद्रों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए यह कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इस कार्यक्रम से विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य, संस्कृति, परंपराओं का गुणात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा।

(ग) विद्यार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूप : पी.जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य कार्यक्रम में आयु का बंधन नहीं। वे सभी अध्ययन इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से न्यूनतम स्नातक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

(घ) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति के तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रायोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता : यह कार्यक्रम मुक्त और दूरस्थ शिक्षा-पद्धति से उच्च-शिक्षा

प्रदान करने वाले कार्यक्रमों में से एक है। इस कार्यक्रम में ऐसा कोई भी अध्ययन इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश प्राप्त कर सकता है जो छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य एवं लोक-संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करना चाहता है।

(ड.) निर्देशात्मक आकार (डिजाइन) : -

1. अवधि और क्रेडिट : यह कार्यक्रम एक वर्ष की अवधि का है। यद्यपि विद्यार्थी अधिकतम तीन वर्षों में यह कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है। यह कार्यक्रम 28 क्रेडिट का है।
2. माध्यम : पी.जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य कार्यक्रम हिंदी भाषा में संचालित होगा।
3. कार्यक्रम संरचना :

क्रमांक	विषय कोड	विषय	क्रेडिट
1.	PGDCLL-01	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण	8
2.	PGDCLL -02	छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य	6
3.	PGDCLL -03	छत्तीसगढ़ी साहित्य	6
4.	PGDCLL -04	प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी	8
कुल क्रेडिट = 28			

4. शिक्षण-पद्धति : विश्वविद्यालय द्वारा विकसित शिक्षण विधि में विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से शामिल होंगे। जिसके निम्नलिखित घटक हैं-

- (1) आत्म-निर्देशात्मक पाठ्य-पुस्तकें (स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री)
- (2) विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन-केंद्रों पर आयोजित परामर्श और संपर्क कक्षाएँ।
- (3) विषय से संबंधित समूह चर्चा।

5. स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री (Self-learning Material-SLM) का वितरण : कला स्नातक हेतु पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विषय विशेषज्ञों द्वारा स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री तैयार करायी है। विद्यार्थियों को स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री विद्यार्थी द्वारा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान अंकित पते पर डाक द्वारा प्रेषित की जाती है। स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री के अध्ययन में विषय से संबंधित कोई कठिनाई आती है, तो वह अध्ययन-केंद्र पर संचालित संपर्क कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ द्वारा उक्त कठिनाइयों का समाधान प्राप्त कर सकता है।

6. कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम हेतु विषय-विशेषज्ञ और सहायक कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय में हैं। अध्ययन-केंद्र पर संपर्क



कक्षाओं के संचालन के दौरान विषय-विशेषज्ञों तथा सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाती हैं।

(च) प्रवेश, अंक विभाजन, मूल्यांकन-प्रक्रिया व परिणाम :

7. (1) योग्यता : इस कार्यक्रम हेतु न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता किरी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।
8. (2) प्रवेश-प्रक्रिया : इस कार्यक्रम के लिए प्रवेश-प्रक्रिया एक वर्ष में दो बार (सामान्यतः जून-सितंबर व जनवरी-मार्च के बीच) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में संपन्न की जाती है। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन मोड है।
- (3) सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा एवं अंक विभाजन : पी. जी. डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य का सत्रीय कार्य (Tutor Mark Assignment-TMA) विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 30 अंक तथा सत्रांत परीक्षा (Term End Examination-TEE) हेतु विषय के प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु 70 अंक निर्धारित हैं।

सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा में प्रश्नों के प्रकार व संख्या

खंड	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का प्रकार
वर्ग-अ	कुल 8 प्रश्न (सभी प्रश्न अनिवार्य)	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा एक वाक्य
वर्ग-ब	कुल 6 प्रश्न परीक्षार्थी को कोई 4 प्रश्न हल करने होंगे।	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 75 (आधा पृष्ठ)
वर्ग-स	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	लघु उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 150 (एक पृष्ठ)
वर्ग-द	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे	अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 300 (दो पृष्ठ)
वर्ग-ई	कुल 2 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 1 प्रश्न हल करना होगा।	दीर्घ उत्तरीय शब्द सीमा 600-750 (4-5 पृष्ठ)
योग	कुल 24 प्रश्न, परीक्षार्थी 18 प्रश्न हल करेगा।	

- (4) मूल्यांकन-प्रक्रिया : योग्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा पूनर्मूल्यांकन की सुविधा भी उपलब्ध है।

- (5) परिणाम : विश्वविद्यालय 10 बिन्दु ग्रेड पद्धति (10 Point grading system) के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

(छ) प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता : इस कार्यक्रम में प्रवेशित छात्रों को प्रवेश लेने पर स्व-अध्ययन पाठ्य-सामग्री उनके द्वारा अंकित पते पर भेजित कर दी जाती है। यदि विद्यार्थी पुस्तकालय का लाभ लेना चाहता है तो विषय से संबंधित संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएँ विश्वविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित पुस्तकालय (स्वागी विवेकानंद पुस्तकाल) पर विश्वविद्यालय कार्य दिवसों में अध्ययन सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा अध्ययन-केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगी।

(ज) कार्यक्रम हेतु शुल्क प्रावधान : इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और उसके विकास का दायित्व निर्वहन विश्वविद्यालय करेगा। इसके लिए निधि विश्वविद्यालय अपने वार्षिक बजट में से आवंटित बजट के अनुसार करेगा।

छात्र द्वारा निम्नलिखित शुल्क देय होगा-

शुल्क विवरण (रु. में)	
कुल शुल्क	3000

(झ) कार्यक्रम की गुणवत्ता का आँकलन और अपेक्षित परिणाम : विश्वविद्यालय द्वारा इसके लिए एक समीक्षा-तंत्र विकसित किया जाएगा जो अध्ययन की तात्कालीन आवश्यकताओं, मानकों, और कार्यक्रम की आवश्यक रूपरेखा तय करेगा। कार्यक्रम संचालन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम को आद्यतन, अध्ययन, शिक्षण मानकों के अनुरूप बनाने हेतु विभागीय समिति (Board of Study) कार्यक्रम पर निगरानी रखेगी और आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (Center for Internal Quality Assurance-CIQA) नियमित रूप से कार्य करेगी। यह समिति छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाएँ शामिल कर कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाएगी और गुणवत्तायुक्त शिक्षण प्रणाली विकसित करने का दायित्व निर्वाह करेगी।

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION (PGDCA)

- a) **Programme Mission and Objective:** POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Computer Application. The education in Computer Application will combine theory and practices so that students will be prepared for a Computer oriented career. Following are the broader objectives of the programme:
- i. To educate and prepare the prospective and diverse group of students of Chhattisgarh with Computer knowledge, networking and technical skills needed to serve organisations.
 - ii. The objective of this programme is to cater to the needs of not only the fresh graduates and computer professionals but also to provide a technical update to an existing practitioner who required technical skill and knowledge.
 - iii. To make the students aware of changing environment and scope, in the field of computer application to operate in a competitive environment.
 - iv. To seek continuous improvement in individual learning skills and personal development and to work with confident self-direction and originality so as to make a meaningful contribution to society.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and backward masses who are deprived of computer education education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be graduate students. This course will enable them to learn and acquire the basic knowledge and skills of Computer Application.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** Post Graduate Diploma in Computer Application is one of the suitable courses/programmes to be offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 28 credits. In this programme the student has to study 6 Subjects of 24 credit points. In the academic session students will have to appear in two practical of 02 credit each. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for DCA programme will be in Hindi language. However students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.
 - iii. **Course Structure:**

**COURSE SYLLABUS
YEAR I**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDCA01	Fundamentals of Computer and Information Technology	4
PGDCA02	Operating System	4
PGDCA03	RDBMS Programming in FoxPro	4
PGDCA04	PC Packages	4
PGDCA05	Internet and Web Development	4
PGDCA06	Object Oriented Programming in C++	4
PGDCA07	Computer Lab-I (Based on PGDCA 03 and PGDCA 04)	2
PGDCA08	Computer Lab-II (Based on PGDCA 06)	2

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing practical reports.
 - Group discussion and case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Computer Science is presently headed by one permanent faculty who act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission in this programme for the candidates is having passed Graduation examination of any recognised board.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each subject of PGDCA programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Practical work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE)
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the student's performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - Practical work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students with viva-voce.

- c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDCA programme is as under:

Particulars	Year I	Total
Yearly Fees	13100	13100

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Computer Laboratory is required as a part of this Curriculum which is available in University campus as well as in selected study centres. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN HOTEL MANAGEMENT (PGDHM)

- a) **Programme Mission and Objective:** The mission of the programme is to inculcate key driving skills in an individual which makes him survive and grow in a hotel Industry. Following are the broader objectives of the programme:
- i. Provide the student with an introduction to the world of business and particularly to business as it applies to the hotel industry.
 - ii. Become acquainted with the social, economic and environmental context within which the hotel industry operates.
 - iii. To enhance the service skills of the students so as to prepare them for the hotel industry.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme is open for all age groups and community who seeks to learn hotel management techniques relevant to hotel industry.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The target group of learners are the of hotel industry personnel's and the individuals (graduates) who are at untrained or semi-trained level of skill in hotels. Since hotel industry is at grooming stage, prospective learners can find ample of space for employment in the hotel industry after the completion of the programme.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** PGDHM is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed according to the present needs and practices of hotel industry.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 36 credits. In this programme the student has to study 5 theory papers of 30 credits along with a project work of 6 credits. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDHM programme will be in English language. However, students can opt English or Hindi language for answering questions in the examination.
 - iii. **Course Structure:**



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDHM01	Introduction to Food and Beverage	6
PGDHM02	Introduction to Front Office	6
PGDHM03	Introduction to Housekeeping	6
PGDHM04	Hotel Accountancy	6
PGDHM05	Catering Science	6
PGDHM06	Project	6
Total Credits		36

iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- a) Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- b) Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
- c) Group discussion and case studies.

v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.

vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.

f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**

i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed Graduation Examination of any recognised University.

ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).

iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Post graduate diploma in Hotel Management programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Project Work/viva-voce (c) Term End Examination (TEE)

➤ **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.

➤ **Project work/Viva-voce:** Evaluation of this component will be based on project work submitted by the students with viva-voce.

➤ **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in

the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

➤ **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDHM programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	20,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Management. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

Students of this programme are expected to perform in competitive way in Hotel Industry with suitable positions in employment market.



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN HUMAN RESOURCE MANAGEMENT (PGDHRM)

- a) **Programme Mission and Objective:** Post Graduate Diploma in Human Resource Management (PGDHRM) is designed to give students the ability to develop their career to its fullest potential in the area of Human Resource Management. Following are the broader objectives of the programme:
- i. Effectively manage and plan key human resource functions in the organisation.
 - ii. Contribute to employee performance and increase organisational effectiveness.
 - iii. Contribute to problem-solving human resource challenges and develop employability skills in individual.
 - iv. To boost managerial capabilities in organisation.
 - v. Synthesise information on HR Practices to take strategic business decisions.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The course is designed to fulfil the requirements, both at Individual and Industrial level. At Individual level the prospective learners can be graduates belonging to both rural and Urban areas who seek to find a place in the job market. The target group can also be an Industrial/Organisational personnel seeking to get maximum benefit of the current position held at Organisation. By learning the multifaceted components of course one would be able to find higher and key positions in Organisational hierarchy.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** PGDHRM is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed according to the present trends of HR practices and will enable the learners to acquire skills needful in Indian Industries.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 30 credits. In this programme the student has to study 5 papers of 30 credit points. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.



REGISTRAR

Pt. Sundarlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (O.G.)

- ii. **Medium:** The course material for PGDHRM programme will be in Hindi language. However, students can opt Hindi or English language for answering the questions in the examination.
- iii. **Course Structure:**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDHRM01	Human Resource Management	6
PGDHRM02	Principles of Management	6
PGDHRM03	Industrial Relations & Labour Welfare	6
PGDHRM04	Marketing Management & Managerial Economics	6
PGDHRM05	Business & Government	6
Total Credits		30

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students will be given with syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation Examination of any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Post graduate diploma in human resource management programme will have following three components : (a) Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)
 - **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination

will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

➤ **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDHRM programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	10,600

g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.

h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.

i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Management. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

Students of this programme are expected to meet the demand of HR professionals in all types of Industries.



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

COURSE/PROGRAMME : JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION (PGDJMC)

- a) **Programme's mission and objectives :** The mission of this programme is to build quality personnel's in the field of Journalism. Following are the broader objectives and aims of the programme :
- o To Gain emerging skills and experience in reporting and writing, regardless of platform, with attention to accuracy, fairness and completeness.
 - o To Learn established professional and school standards related to news-gathering, reporting, writing and publishing work.
 - o To Build critical thinking skills necessary to collect, evaluate, organize, and disseminate news.
 - o To Build reporting and writing skills necessary in online, print or broadcast journalism.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses that are deprived of education and cannot find a place in regular education system. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners :** The course is designed to fulfil the requirements of students. It will provide a great opportunity to those learners, who cannot continue their study in regular education system. It also helps to develop the capability and confidence to face the competitive examination and other related professions.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** PGDJMC is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability, which will make them polished and prepared for the employment.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** Minimum duration of this programme has one year, and maximum duration will be three years. The programme has weightage of 36 credits.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDJMC programme will be in English language.
* However students can opt for both English and Hindi language for answering the questions.

iii. Course Structure:

Course Syllabus:

COURSE CODE	Name of Papers	CREDIT
PGDJMC01	History of Journalism & Contemporary Prospect	6
PGDJMC02	Principals Process Concepts and models	6
PGDJMC03	Indian Press Laws and Salient Features of Indian constitution	6
PGDJMC04	News: Definition Concepts and Reporting	6
PGDJMC05	Editing Printing and Production	6
PGDJMC06	Advertising and Public Relations	6

Total Credits : 36

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self-Learning Materials-SI.M).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Subject related group discussion.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and the Self-learning Material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, they can discuss with the counsellor during the contact session at the study centres.
- vi. **Requirement of Faculty and Supporting Staff :** Department of Hindi is presently headed by one permanent staff who will act as a programme coordinator. Supporting staff will be deputed at the study centre as per need of the course curriculum.

f) Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

- Eligibility:** Graduation from any recognized university.
 - Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the programme, a candidate has to obtain minimum pass grade 'P' (i.e. 40 % in each paper)
 - Assignment work, Marks division of Term-End Examination:** The pattern of evaluation for this Programme will have following two components : (a) Tutor Mark Assignment-(TMA) (b) Term-End Examination-(TEE)
- A) **Tutor-Mark Assignment (TMA):** The students have to submit Tutor-Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks in each paper, before the Term-End Examination (TEE), which will be base for the appearing in Term-End Examination.

B) Term-End Examination (TEE): Term end examination (TEE) of each paper in the course will be of 70 marks and will be on subjective mode. The structure of the examination is as under:

Types and number of questions in Assignment work and Term-End Examination		
Part	Total no. of Questions	Types of Questions
Part-A	Total 08 Questions (All questions are compulsory)	Very short answer (Word limit- answer in one sentence)
Part-B	Total 06 Questions (Attempt any 04 questions)	Very short answer (Word limit- answer in 75 word)
Part-C	Total 04 Questions (Attempt any 03 questions)	short answer (Word limit- answer in 150 word)
Part-D	Total 04 Questions (Attempt any 02 questions)	Semi-long answer (Word limit- answer in 300 word)
Part-E	Total 02 Questions (Attempt any 01 questions)	long answer (Word limit- answer in 600-750 word)
Total	Total 24 Questions (Attempt 18 questions)	

(c) **Result:** Result will be declared by the university based on 10 Point grading system.

(g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library (Swami Vivekananda Library) as well as in the library of Study Centres.

(h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its each Annual Budget session.

Details of Programme Fee (In Rupees)

Total Fee 12,600/-

(i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the concerned department. Regular updating of the curriculum and syllabus is checked by the concerned Board of Studies and regular monitoring is done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. Students are asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for improvement of the programme and further these are duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLA SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN LABOUR LAW AND LABOUR WELFARE

- a) **Programme Mission and Objective:** Post Graduate Diploma in Labour Law and Labour welfare (PGDLLW) enables the learners to gain knowledge of Labour laws and labour welfare practices in India.
 Following are the broader objectives of the programme:
- i. To generate understanding related to legal procedures and practices.
 - ii. To deal with labour and their related issues like collective bargaining, grievance, employee welfare etc.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** The prospective learners can be graduates who seek to gain knowledge in the field of laws and welfare related to employees in organisation.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** PGDLLW is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed according to the present trends of Law practices.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year's although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 30credits. In this programme the student has to study 6 papers of 30 credits including a project work. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDLLW programme will be in Hindi language. However, students can opt for Hindi or English language for answering in the examination.
 - iii. **Course Structure:**

COURSE SYLLABUS

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDLLW-01	INDUSRIAL RELATIONS	5
PGDLLW-02	AFFECTING CONDITIONS OF WORKERS AND WELFARE RELATED LEGISLATIONS	5
PGDLLW-03	WAGES AND SOCIAL SECURITY LEGISLATIONS	5
PGDLLW-04	PRINCIPLES OF MANAGEMENT	5
PGDLLW-05	PERSONNEL MANAGEMENT	5
PGDLLW-06	PROJECT WORK	5
Total Credits		30

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing project report.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centres.
- i. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Law is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation from any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e., 40% in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation of P.G. Diploma in Labour Law and Labour Welfare programme will have following three components: (a) Continuous Assessment through TMA (b) Project Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE).
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - Practical Work/ Viva Voce:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students with viva-voce.
 - Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

University Fee Structure: The fee structure of the P.G. Diploma in Labour law and Labour Welfare programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	10,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Regular updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self-learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Law. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN MARKETING MANAGEMENT (PGDMM)

- a) **Programme Mission and Objective:** Managing in the constantly changing business environment is an essential requirement for business success as the world moves through the 21st century. This Programme focuses on the following Objectives:
- i. To train participants to apply concepts and techniques in marketing so that they become acquainted with the duties of a marketing manager.
 - ii. To expose the learners to development, evaluation, and implementation of marketing management in a variety of business environments. .
 - iii. To acquire analytical skills in solving marketing related problems and challenges and be familiar with the strategic marketing management process..
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide opportunities to rural and tribal masses who are deprived of education and can build their career as a marketing executive at a reasonable fee structure.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** Since marketing of goods and services finds a place in every sphere of current day market. Therefore the target learner for the programme can be a potential graduate who wishes to build career in the field of marketing and sales.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** PGDMM is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed with an aim to fulfil the needs of marketing and sales industry by enabling individual to acquire right mix of managerial qualities.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 30 credits. In this programme the student has to study 5 papers of 30 credit points. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDMM programme will be in Hindi language. However, students can opt for Hindi or English language for answering in the examination.

iii. Course Structure:

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDMM01	Service Marketing	6
PGDMM02	Production & Material Management	6
PGDMM03	Consumer Behaviour & Advertising Management	6
PGDMM04	Marketing Research & Sales Management	6
PGDMM05	International Marketing	6
Total Credits		30

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation examination of any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Post graduate diploma in Marketing Management programme will have following three components:
 - Continuous Assessment through TMA (b) Term End Examination (TEE)
 - **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in



the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

➤ **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDMM programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	10,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Management. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system. Students of this programme are expected to communicate effectively and professionally and to demonstrate the ability for their existence and survival in Marketing and Sales Industry.



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

Post Graduate Diploma in Psychological Guidance and Counselling

- a) **Programme Mission and Objective:** Post Graduate Diploma in Psychological Guidance and Counselling is designed for students to develop their career to its fullest potential in the area of Counselling Psychology. The P.G. Diploma in Psychological Guidance and Counselling is meant for those students who intend to get professional knowledge to take up position as a School Counsellor. Specific objective is to prepare students for a lifelong career in psychology by acquiring skills and experience in relevant field of Psychology.
- b) **Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass who are deprived of regular education. Apart from that it is also open to those who wish to continue their learning irrespective of their age.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** Prospective learners may be graduates (with basic knowledge of Child Development, Human Development and Childhood Studies, Childhood Development and Family Relations, Home Sciences, Psychology, Social Work, B.Ed., Medicine or other allied disciplines) who are keen for career employment in the field of psychology.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** PGPGC is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents and knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them polished for employment market.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 30 credits. In this programme the student has to study 5 papers of 30 credits. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - Medium:** The course material for PGDPGC programme will be in Hindi language. However, students can opt for English or Hindi language for answering in the examination.
 - Course Structure:**

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDPGC-01	Guidance : Global Perspective	6
PDGPGC-02	Counselling : Global Perspective	6
PGDPGC-03	Counselling in different setting	6
PGDPGC-04	Guidance and Counselling : Psychological Bases	6
PGDPGC-05	Project	6
		Total Credits =30

iv **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:

- a) Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
- b) Counselling and contact sessions at the study centres by the subject experts.
- c) Preparing the students for writing project report.
- d) Group discussion and case studies.

iii. **Means of Delivery:** The students will be given with syllabus and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centres.

iv. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Psychology is headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centres as per need of the course.

f) **Procedure for admission, curriculum transaction and evaluation :**

- i. **Procedure of Admission:** The admission for this programme is on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation Examination (with basic knowledge of Child Development, Human Development and Childhood Studies, Childhood Development and Family Relations, Home Sciences, Psychology, Social Work, B.Ed., Medicine or other allied disciplines) of any recognised University.
- ii. **Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e., 40% in each paper).
- iii. **Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of P.G. Diploma in Psychological Guidance and Counselling programme will have following three components: (a) Continuous Assessment through TMA (b) Project Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE).
 - a) **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the student's performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - b) **Project Work/ Viva-Voce:** Evaluation of this component will be based in project work submitted by the students with viva-voce.
 - c) **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period. Term End examination (TEE) of each course will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the P.G. Diploma in Psychological Guidance and Counselling programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fee (in Rupees)
Yearly Fee	10,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is required as a part of this Curriculum. Resources in the form of laboratory are available at University Center as well as other study centers. Reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library, as well as in the library of study centres, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Psychology. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH
PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN TOURISM MANAGEMENT (PGDTM)

- a) **Programme Mission and Objective:** The mission of the programme is to train personnel's who can serve the basis of tourism in India. Following are the objectives of study:
- i. To provide basic and emerging concepts and principles in relation to tourism industry.
 - ii. To groom and make quality personnel's in the field of tourism sector.
 - iii. To train and educate at all levels, persons of abilities who can become leader in tourism industry.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education cannot reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide ample of opportunities to those rural and tribal masses who are deprived of education and cannot find a place in regular education system.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** Tourism is one of the fastest growing sectors. Therefore knowledge of tourism industry finds suitable place in employment. The prospective target group of learner can be graduate individuals who wishes to make career in the field of tourism sector.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence :** PGDTM is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The contents are designed according to the present trends of best tourism practices in India.
- e) **Instructional Design :**
- i. **Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 36 credits. In this programme the student has to study 5 theory papers of 30 credits along with a project work of 6 credits. Contact sessions for every course will be arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - ii. **Medium:** The course material for PGDTM programme will be in English language. However, students can opt English or Hindi language for answering the examination.
 - iii. **Course Structure:**


REGISTRAR
 Pt. Sunderlal Sharma (Open)
 University Chhattisgarh
 BILASPUR (C.G.)

ELIGIBILITY: GRADUATION		
COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDTM01	Communication: Principles Process Concepts and Models	6
PGDTM02	Tourism Concepts and Principles	6
PGDTM03	Tourism Resources of India	6
PGDTM04	Travel Agency & Tour Operation	6
PGDTM05	Travel and Transportation	6
PGDTM06	Project	6
Total Credits		36

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Group discussion and case studies.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- vi. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Management is presently headed by one permanent faculty who will act as a programme coordinator. Supporting staffs have been deputed at the study centre as per need of the course curriculum.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation examination of any recognised University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of Post graduate diploma in Tourism Management programme will have following three components :
 - Continuous Assessment through TMA
 - Project Work/viva-voce
 - Term End Examination (TEE)
 - **Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - **Project work/Viva-voce:** Evaluation of this component will be based on project work submitted by the students with viva-voce.
 - **Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities.

Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 Should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 Should be answered)	Short Type
D	4 (2 Should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 Should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 Should be answered)	

➤ **University Fee Structure:** The fee structure of the PGDTM programme is as under:

Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	8,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget session.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes :** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Management. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system. Students of this programme are expected to earn a professional name in the field of Tourism Industry with demonstration of all necessary skills needful in the sector. .



REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

PANDIT SUNDARLA SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHHATTISGARH

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

POST GRADUATE DIPLOMA IN YOG SCIENCE

- a) **Programme Mission and Objective:** Post Graduate Diploma in Yog Science is designed with following objectives:
- To prepare the students physically and mentally for the integration of their physical, mental and spiritual health.
 - To attain mental hygiene, emotional stability, higher moral practices, higher level of consciousness so as to integrate healthier life practices.
 - To groom and develop career in the field of Yoga.
- b) **Relevance of the Program with HEI's Mission and Goals:** Pandit Sundarlal Sharma (Open) University Chhattisgarh is committed to endow with quality education to the mass where regular form of education is beyond reach. In the line of the mission of the University, this programme will provide opportunities to rural and tribal masses who are deprived of education.
- c) **Nature of Prospective Target Group of Learners:** Yoga has occupied a prominent place for well being of a person and thus have triggered the utility in the society. The target learner for the programme can be a potential graduate who wishes to build career in the field of yoga.
- d) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** PGDYS is a short term course suitable of being offered through Open and Distance Learning mode. The conceptual knowledge can be thoroughly captured by the learners to acquire the capability which will make them understand and practice yoga.
- e) **Instructional Design :**
- Duration and Credit:** This programme has a duration of one year although student may complete the programme gradually within a maximum period of three years. The programme has weightage of 30credits. In this programme the student has to study 5 papers of 30 credit points. Contact sessions for each course are arranged at the study centre where the students can solve their difficulties.
 - Medium:** The course material for PGDYS Programme will be in Hindi language. However, students can opt Hindi or English language for answering the questions in the examination.
 - Course Structure:**

COURSE SYLLABUS

COURSE CODE	COURSE TITLE	CREDIT
PGDYS-01	योगविज्ञान का परिचयात्मक स्वरूप	6
PGDYS-02	योगदर्शन (भारतीय दर्शन के संदर्भ में)	6
PGDYS-03	हठयोग विज्ञान के सिद्धांत	6
PGDYS-04	मनव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान	6
PGDYS-05	प्रायोगिक	6
	कुल क्रेडिट	30

- iv. **Learning Method:** The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery and will constitute the following components:
- Self-Instructional text books (Self Learning Materials).
 - Counselling and contact sessions at the study centre by the subject experts.
 - Preparing the students for writing practical report.
- v. **Means of Delivery:** The students are given the syllabus of the courses and also the Self learning material. It helps the students to study a specific topic. If the student has any difficulty, he or she can make a note of it. They can discuss these noted difficulties with the counsellor during the contact session at the study centre.
- i. **Requirement of Faculty and Support Staff:** Department of Yog Science is headed by a permanent faculty member, other supporting staffs have been deputed. At the study centres qualified teachers and other staff are already working. They will be assigned the contact classes and counselling sessions.
- f) **Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation :**
- Procedure of Admission:** The admission for this programme will be on yearly basis (or as decided by the University from time to time). All the admissions for the course will be done through online mode. The minimum eligibility for admission into this programme for the candidates is having passed graduation Examination of any recognized University.
 - Curriculum Transaction:** For successful completion of the proposed programme, a candidate has to pass each paper with passing grade 'P' (i.e. 40 % in each paper).
 - Evaluation Pattern:** The pattern of evaluation for each course of P.G. Diploma in Yog Science programme will have following components: (a) Continuous Assessment through TMA (b) Practical Work/Viva-Voce (c) Term End Examination (TEE).
 - Continuous Assessment through Tutor Mark Assignment:** For each course in every year the students' performance will be continuously evaluated. Continuous assessment schedule and evaluation will be done by the Study Centre which will be monitored by the department concern. The students have to submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks before the Term end examination (TEE) which will be the base of evaluation.
 - Practical Work/ Viva-Voce:** Evaluation of this component will be based in practical work submitted by the students with viva-voce.
 - Term End Examination (TEE):** Term End Examination (TEE) will be conducted at the end of the learning period through an examination as like other universities. Term End examination (TEE) of each paper will be of 70 marks. The questions in the examination will comprise of very short type answer, brief answers and long type answers. The structure of the examination is as under:

Section	Total No. Of Questions	Type of Questions
A	8 (All Compulsory Questions)	Objective Type
B	6 (4 should be answered)	Very Short Type
C	4 (3 should be answered)	Short Type
D	4 (2 should be answered)	Semi Long Type
E	2 (1 should be answered)	Long Type
TOTAL	24 (18 should be answered)	

- d) **University Fee Structure:** The fee structure of the P.G. Diploma in Yog Science programme is as under:
Details of University Fee

Particulars	Total Fees (in Rupees)
Yearly Fees	7,600

- g) **Requirement of the laboratory support and Library Resources:** Laboratory is not required as a part of this Curriculum. Resources in the form of reference books and Journals will be made available to the students in the University Central library as well as in the library of study centers, which they can access for gaining knowledge.
- h) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design, development delivery and maintenance of the programme the fund will be as per the budget allocated by the University in its Annual Budget.
- i) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme will be done on continuous basis by the department concern. Timely updating of the curriculum and syllabus will be checked by the concerned board of studies and regular monitoring will be done by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of the University. All the self-learning materials of this programme is duly approved by Board of Studies of Yog Science. Students will be asked to provide their feedback on continuous basis to develop suitable action plans for the programme and will be duly incorporated into the teaching and delivery system.

PANDIT SUNDARLAL SHARMA (OPEN) UNIVERSITY CHATTISGARH BILASPUR

PROGRAMME PROJECT REPORT (PPR)

DIPLOMA IN EARLY LANGUAGE TEACHING (D.E.L.T.)

a) Programme Mission and Objective :

- To enhance knowledge and skills about teaching learning of language and literacy in early primary teachers to prepare classes
- Be able to plan and implement appropriate classroom activities for teaching of language and literacy in their classrooms
- Teacher educators from SCERT and DIETs , Block and Cluster Coordinators and Resource persons and Master Trainers will be able to provide higher quality and more effective support to teachers for language teaching
- To Contribute to process of designing of an early grade language and literacy learning programme at cluster, block or district level.

- b) **Relevance of the Programme with HEI's Mission and Goals:** The programme is relevant with Mission and Goals of open and Distance Learning institution of providing education to the deprived irrespective of age , place and time with total commitment to quality education in early Language and Literacy with a holistic concern for all children to have strong foundational skills and abilities in language and literacy, thinking and reasoning.

c) Nature of prospective Target Group of Learners:

- The target learner can be 12th class pass students who are interested in becoming teachers with focus on Hindi language teaching
- Students of D.Ed. or B.Ed. who are interested in gaining specialization in language teaching
- The learner should have basic Hindi Typing Skills or are willing to learn in the preparatory phase.
- He /she should have access to a computer or at least a smartphone with access to the internet.

- a) **Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:** The purpose of the using the open and distance learning mode for the Diploma in early language teaching course offered by PSSOU is to provide opportunities for teachers and others who are already in full time employment to be able to pursue this diploma in their spare time. It will empower students with improved conceptual understanding and practical skills of teaching language and literacy in early grades..

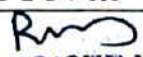
b) Instructional Design :

- I. **Duration and Credit:** The minimum duration of the course shall be of one year and maximum will be three years from registration . The programme has a weightage of 40 credits.
- II. **Medium:** The course material for the programme is in Hindi language only. All the activities related to the programme will conducted only in Hindi.

III. Course Structure :

IV.

विषय	विषय शीर्षक	पेपर कोड	क्रेडिट
	सैधांतिक विषय		
I.	प्रारंभिक भाषा और साक्षरता : एक झलक	DEL T 001	4
II.	प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण: एक समीक्षा	DEL T 002	4
III.	सीखने सिखाने के कुछ सिद्धांत और रणनीतियाँ	DEL T 003	4


REGISTRAR
 Pt. Sunderlal Sharma (Open)
 University Chhattisgarh
 BILASPUR (C.G.)

IV.	प्रारंभिक कक्षाओं में संतुलित भाषा शिक्षण		
V.	आकलन व कक्षा में बहुस्तरीय अधिगम स्थिति : कुछ रणनीतियां और पांच खंडीय रूपरेखाएं	DEL T 004	4
		DEL T 005	4
VI.	विविध भाषाई परिस्थितियों में प्रारंभिक भाषा और साक्षरता विकास	DEL T 006	4
			24
	प्रयोगिक विषय		क्रेडिट
VII.	प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल - भाग 1	DEL T 007	2
VIII.	प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल - भाग 2	DEL T 008	2
IX.	प्रवाह और समझ के साथ पठन: शिक्षण रणनीतियाँ	DEL T 009	2
X.	लिखने का कौशल : रणनीतियाँ और सिद्धांत	DEL T 010	2
XI.	क्विज़ एवं संवाद	DEL T 011	2
XII.	प्रोजेक्ट कार्य	DEL T 012	6
			16
	कुल ४० क्रेडिट		

V. **Learning Method** :The learning method developed by University will comprise of independent form of delivery along with mentor support .It will constitute the following components :

1. Self- learning materials
2. Mentor support
3. Conference calls
4. Discussion Forum,
5. Contact sessions at the study center by experts

VI. **Means of Delivery**:Learners are provided the self-learning material both in print and also in softcopy form (through emails, whatsapp and portal). It helps the learner study the topic as per their convenience. There is full time mentor support in case learners face any difficulty. Contact sessions are also organized for face to face interaction of the learner with the experts form LLF.

VII. **Requirement of Faculty and Support Staff**:Department is headed by One Regional Director and Programme Coordinator at the headquarters. Apart for them there will be a Course Coordinator and one mentor from the PSSOU, for every 20 learners who will mentor the learners throughout the course, conduct conference calls and contact sessions.

c) **Procedure for Admission , Curriculum , Transaction and evaluation :**

1. **Procedure of Admission**: The admission for this programme will be done through online mode. The applicants will have to fill in an application form and the selection will be based on certain criteria, like basic computer knowledge, internet access, smartphone availability, access to primary classes for practical work. The minimum eligibility for admission in this programme is having passed 10+2 examination of Chhattisgarh Board of Secondary Education, or from any recognized Board.
2. **Curriculum Transactions**: For successful completion of this programme, a candidate has to obtain minimum pass grade of 'P' (i.e. 33%). The levels of student performance is indicated in Letter grades and corresponding Grade point.
3. **Evaluation Pattern**: The weightage for Theory based paper is in the ratio of 30:70 (internal and external)and for the and Practical based papers is 50 :50 (LLF Mentor and External)

The pattern of evaluation for The Theory based papers has following two components :

- i. **Continuous Assessment thorough Tutor Mark Assignment**: For 6 subject the learners performance is continuously evaluated., . Students have to compulsorily submit Tutor Mark Assignment (TMA) carrying 30 marks after each paper.
- ii. **Term End Exam (TEE)** : Term end exam of 6 theory based papers will be conducted at the end of the year carrying 70 marks each .


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

The pattern of evaluation for The Practical based papers has following two components:

- i. **Continuous Assessment thorough Tutor Mark Assignment:** For 4 subject (excluding Project and Quiz & Discussion Forum) the learners performance is continuously evaluated.
- ii. **Field work:** For all the 4 practical based papers the students have to do some practice teaching and then submit assignments for which they will be evaluated out of 25 marks for each paper.

Fee Structure:

Annual Fees
4300

- d) **Requirement of Laboratory support and Library Resources:** Laboratory facility is not required for this programme. However online reference material and links will be provided to the learners.
- e) **Cost estimate of the programme and the provisions:** For the design , development and maintenance of the programme the cost will be borne by PSSOU.
- f) **Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:** The monitoring of the programme is done on continuous basis by the department concerned of the University. Language and Learning Foundation will also has its internal quality checks for maintaining the quality of the programme.

--- 00 ---


REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)